शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 127 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 6 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत को सामाजिक सुरक्षा कदमों के लिए वैश्विक पुरस्कार मिला पेज 2
सांसद गोगोई ने सरकार से माजुली के अस्तित्व और विरासत को संरक्षित ... पेज 3
लिव इन रिलेशनशिप समाज के लिए एक अभिशाप : चेयरपर्सन रेणु भाटिया पेज 5
ऑस्ट्रेलिया ने पहले वनडे में भारतीय महिला टीम को हराया, मेगन सकट ने ... पेज 7

असम मंत्रिमंडल का विस्तार 7 को

चार नए मंत्री शामिल किए जाएंगे

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को चार भाजपा विधायकों के नामों की घोषणा की, जिन्हें शनिवार को उनके मंत्रिपरिषद में शामिल किया जाएगा। अटकलों पर विराम लगाते हुए शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि यह बताते हुए खुशी हो रही है कि निम्नलिखित सहयोगी 7 दिसंबर को दोपहर 12 बजे हमारे मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में शपथ लेंगे। प्रशांत फूकन, कौशिक राय, कृष्णेंदु पॉल और रूपेश ग्वाला। उन सभी को मेरी शुभकामनाएं! इससे पहले राज्य के कैबिनेट मंत्री संजय किशन ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। किशन के पास सरकार में चाय जनजाति कल्याण और श्रम कल्याण विभाग था। 54 वर्षीय किशन तिनसुकिया निर्वाचन क्षेत्र से चुने जाने के बाद असम विधानसभा के सदस्य हैं। उन्होंने असम के पूर्व मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल की कैबिनेट में भी मंत्री के रूप में काम किया था। यह बुधवार को नई दिल्ली से वर्चुअली आयोजित हिमंत विश्व शर्मा की कैबिनेट बैठक के एक दिन बाद आया है। कैबिनेट बैठक के बाद शर्मा ने घोषणा की थी कि बहुप्रतीक्षित कैबिनेट विस्तार 7 दिसंबर को होगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि विस्तार के संबंध में आगे की जानकारी जल्द ही बताई जाएगी। मौजूदा कैबिनेट में कई मंत्रियों के पास कई जिम्मेदारियां हैं, इसलिए हाल ही में कैबिनेट विस्तार की मांग की गई है। वर्तमान में, असम कैबिनेट में मुख्यमंत्री सहित केवल 15 सदस्य हैं, हालांकि अधिकतम स्वीकृत संख्या 18 है, जिससे तीन स्थान खाली रह जाते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि कैबिनेट में बराक घाटी से कोई प्रतिनिधित्व नहीं था क्योंकि धोलाई निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व मंत्री परिमल शुक्लबैद्य ने इस साल की शुरुआत में लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद इस्तीफा दे दिया था। बराक घाटी से रिक्त स्थान को भरने के लिए कृष्णेंदु पॉल को कैबिनेट में जगह दी गई है। पिछले पांच कार्यकाल से लगातार डिब्रूगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ भाजपा नेता प्रशांत फुकन को भी राज्य मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। रूपेश ग्वाला को सबजय किशन की जगह शामिल किया गया है, जिन्होंने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया था। लखीमपुर के विधायक कौशिक राय को भी पहली बार कैबिनेट में जगह दी गई है।

गोमांस पर पाबंदी लगाने से मुसलमानों पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा : मुस्लिम धर्मगुरु

गुवाहाटी। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात ने असम सरकार द्वारा राज्य में गोमांस खाने पर पाबंदी लगाए जाने की आलोचना करते हुए गुरुवार को कहा कि इस्लाम में गोमांस खाना अनिवार्य नहीं है लिहाजा *मुस्लिम विरोधी सोच* रखने वाले असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के इस आदेश से मुसलमानों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने असम में सरकार द्वारा गोमांस खाने पर पाबंदी लगाए जाने को लेकर एक बयान में कहा कि इस्लाम में गोमांस खाना कोई अनिवार्यता नहीं है। लोग अपनी पसंद के हिसाब से खाते-पीते हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा -शेष पृष्ठ दो पर

विपक्ष ने मुख्यमंत्री को घेरा

गुवाहाटी। सरकार ने हाल ही में रेस्तरां, होटल, सार्वजनिक समारोहों और अन्य सामुदायिक स्थानों पर बीफ परोसने और खाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का एलान किया है। अब इस पर सियासी विवाद गहरा गया है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना और कांग्रेस ने जमकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को घेरा। उन्होंने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

असम में चार घुसपैठियों को पकड़कर बांग्लादेश वापस भेजा गया : सीएम

गुवाहाटी। असम पुलिस ने चार बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार कर पड़ोसी देश के प्राधिकारियों को सौंप दिया है। यह जानकारी असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को दी। मुख्यमंत्री शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर कड़ी निगरानी जारी है। चार घुसपैठियों को असम पुलिस ने सीमा के पास से पकड़ा और वापस बांग्लादेश भेज दिया। उन्होंने बताया कि घुसपैठियों -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में अब उठ रही सुअर के मांस पर बैन की मांग

गुवाहाटी। असम में खुले स्थानों पर गोमांस पर रोक के बाद अब सुअर के मांस को बैन करने की मांग शुरू हो गई है। मुस्लिम समाज के लोगों ने राज्य सरकार से उन क्षेत्रों में सुअर के मांस की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है जहां पर मस्जिदें मौजूद हैं। सुअर का मांस इस्लाम में खाना वर्जित है जिसकी वजह से मुस्लिम समाज के लोगों ने यह मांग उठाई है। राज्य में पहले ही गोमांस पर खुले स्थानों में बैन लगाने की बात सीएम कह चुके हैं। असम में गोमांस पर लगे प्रतिबंध पर दक्षिण असम मुस्लिम कल्याण परिषद ने राज्य सरकार से मांग की है कि जिन क्षेत्रों में मस्जिदें हैं वहां पर खुलेआम सुअर का मांस बिकता है, उस पर बैन लगाया जाना चाहिए। परिषद के सदस्यों ने कहा कि आदिवासी लोग मुस्लिम बहुल्य इलाकों में खुलेआम सुअर काटते हैं। इससे मुसलमानों की धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं। परिषद ने सीएम हिमंत विश्व शर्मा से सुअर के मांस पर रोक -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

मंत्रणा के समय कर्तव्य पालन में कभी ईर्ष्या नहीं करनी चाहिए।
- **आचार्य चाणक्य**

हॉर्नबिल महोत्सव : पीएम ने नगालैंड के लोगों को दी बधाई

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को हॉर्नबिल महोत्सव के 25 वर्ष पूरे होने पर नगालैंड के लोगों को बधाई दी और अन्य लोगों से इसे देखने एवं नागा संस्कृति की जीवंतता का अनुभव करने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो की एक पोस्ट को साझा करते हुए लिखा कि वर्तमान में जारी हॉर्नबिल महोत्सव के लिए मेरी शुभकामनाएं और इस जीवंत महोत्सव के 25 वर्ष पूरे होने पर नगालैंड के लोगों को बधाई। मुझे इस वर्ष के महोत्सव के दौरान अपशिष्ट प्रबंधन एवं स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए देखकर भी प्रसन्नता हो रही है। कुछ वर्ष -शेष पृष्ठ दो पर

देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार बने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री

एकनाथ शिंदे और अजीत पवार ने ली उपमुख्यमंत्री पद की शपथ

मुंबई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल के नेता देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को आजाद मैदान में तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। अब देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के 21वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। उनके साथ एकनाथ शिंदे और अजीत पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। अजीत पवार ने आज छठवीं बार उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। देवेंद्र फडणवीस ने पहली बार 2014 में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी और पूरे पांच साल राज्य के मुख्यमंत्री रहे थे। इसके बाद 2019 में दूसरी बार मुख्यमंत्री बने लेकिन सिर्फ तीन दिन मुख्यमंत्री रह सके थे। बुधवार दोपहर भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने अपने सहयोगी दल शिवसेना के नेता एवं कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एवं राकांपा के अध्यक्ष अजित पवार के साथ राजभवन जाकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। फडणवीस सरकार को समर्थन का पत्र देने के बावजूद एकनाथ शिंदे आज शपथग्रहण के अंतिम समय तक असमंजस में थे कि वह उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे या नहीं। भारतीय जनता पार्टी के नेता गिरीश महाजन के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

इजराइल ने गाजा में फिर की एयर स्ट्राइक 68 लोगों की मौत

तेल अबीब। हमास के अक्तूबर 2023 के हमले के बाद करीब 14 महीनों से जारी गाजा में इजराइल के विनाशकारी युद्ध के खत्म होने के कोई संकेत नहीं हैं। इजराइली सेना आईडीएफ के ताजा हमलों में 68 लोग मारे गए हैं। इजराइल के हवाई हमलों में दक्षिणी गाजा में विस्थापित फिलस्तीनियों के शिविर में रह रहे कम से कम 21 लोग बुधवार को मारे गए। इजराइल की सेना आईडीएफ ने कहा कि उसने क्षेत्र में *आतंकवादी गतिविधियों में शामिल* शीर्ष हमास आतंकवादियों को निशाना बनाया। हालांकि इजराइल की सेना ने कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी और कहा कि उसने इस बात की पूरी सावधानी बरती कि हमले में -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

असम बीफ बैन पर भड़कीं सपा सांसद इकरा हसन

गुवाहाटी। असम में गोमांस पर पूरी तरह से बैन लगा दिया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की तरफ से बैन लगाने के बाद इस मामले पर अलग-अलग से प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। समाजवादी पार्टी सांसद इकरा हसन ने असम सरकार पर निशाना साधते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

पुतिन ने की पीएम मोदी की तारीफ, कहा-

इंडिया-फर्स्ट नीति से दुनिया के पटल पर छाया भारत

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 5 दिसंबर 2024 को मास्को में आयोजित 15वें वीटीबी रूस कॉलिंग इन्वेस्टमेंट फोरम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की *इंडिया फर्स्ट* नीति और *मेक इन इंडिया* पहल की सराहना की। राष्ट्रपति पुतिन ने इन पहलों को भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली नीतियां बताया और यह बताया कि कैसे इन नीतियों ने भारत की विकास यात्रा को बढ़ावा दिया है। उन्होंने भारत में स्थिरता के माहौल को बढ़ावा देने की कोशिशों को सराहा, जिसे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लागू किया -शेष पृष्ठ दो पर

चीन में जमीन धंसी 13 मजदूर लापता

बीजिंग (हि.स.)। चीन के एक शहर में जमीन का बड़ा हिस्सा धंस जाने से 13 मजदूर लापता हो गए। यह हादसा दक्षिण चीन के गुआंगडोंग प्रांत के शेनझेन में हुआ। स्थानीय अधिकारियों ने आज कहा कि रात लगभग 11 बजे शेनझेन में रेलवे परियोजना के एक निर्माण स्थल पर अचानक जमीन का बड़ा हिस्सा धंस गया। इस हादसे में 13 लोग लापता हो गए। यह सभी मजदूर हैं। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बाओआन जिले के आपातकालीन प्रबंधन ब्यूरो के हवाले से कहा कि यह हादसा -शेष पृष्ठ दो पर

पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग में मची भगदड़ एक की मौत, बच्चा घायल

नई दिल्ली। पावर स्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 सिनेमाघरों में रिलीज होते ही जबरदस्त हंगामा मच गया है। तीन साल बाद आई इस फिल्म को लेकर फैंस की दीवानगी चरम पर है। लेकिन खुशी और उत्साह के बीच एक दुखद घटना सामने आई है। हैदराबाद के संध्या थियेटर में पुष्पा 2 के प्रीमियर शो के दौरान भगदड़ मच गई, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और एक 9 साल का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। बीती रात हैदराबाद के संध्या थियेटर में पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग हो रही थी। खबर मिली थी कि अल्लू अर्जुन भी इस -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश : यूनुस सरकार ने कबूली हिंदुओं पर अत्याचार की बात

ढाका। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हिंसा की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। इसी बीच बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव का एक बड़ा बयान सामने आया है। एक इंटरव्यू में प्रेस सचिव शफीकुल इस्लाम ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार और हिंसा की घटनाओं को स्वीकार किया है। इंटरव्यू के दौरान शफीकुल इस्लाम ने बताया कि हां बांग्लादेश में कुछ हिंदू अल्पसंख्यकों पर हिंसा की कुछ घटनाएं हुई हैं और मैं इन घटनाओं के घटित होने से इनकार नहीं कर रहा हूं। इस मामले पर उन्होंने कहा कि हिंसा की कई घटनाएं राजनीति से प्रेरित थीं। यहां के बहुत से हिंदू भाई आवामी लीग को पसंद करते हैं और उसका समर्थन भी करते हैं। हिंदू समुदाय से आने वाले कई नेताओं ने बहुत से अलग-अलग पदों पर काम भी किया है। उन्होंने कहा कि हम कई तरीकों से उनके खिलाफ होने वाली घटनाओं का मुकाबला करने की कोशिश कर रहे हैं। अल्पसंख्यक लोगों की सुरक्षा के लिए हम कई फैसले ले रहे हैं, देश में करीब डेढ़ करोड़ के पास हिंदू समुदाय से जुड़े लोग रहते हैं। हम सब भी उन्हीं के साथ ही वहां रहते हैं। प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने इस्कॉन को लेकर भी बांग्लादेश सरकार का स्टैंड साफ किया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में इस्कॉन पर बैन नहीं लगाया जाएगा। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

सड़क दुर्घटनाओं में मौतों पर लोस में भड़के नितिन गडकरी, कहा-

लोगों में न तो कानून के प्रति सम्मान है और न ही डर

नई दिल्ली। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में मौतों को कम करने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों के बावजूद, हताहतों की संख्या में वृद्धि हो रही है, क्योंकि लोगों में न तो कानून के प्रति सम्मान है और न ही डर। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान जवाब देते हुए गडकरी ने कहा कि वह खुद सड़क दुर्घटना के शिकार हुए हैं और इस मुद्दे को लेकर संवेदनशील हैं। मंत्री ने कहा कि चार कारक हैं जो सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में मदद कर सकते हैं - सड़क इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग, कानून का प्रवर्तन और लोगों की शिक्षा। गडकरी ने कहा कि समाज की सबसे बड़ी समस्या -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारत को सामाजिक सुरक्षा कदमों के लिए वैश्विक पुरस्कार मिला

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत को एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए 2024 के अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए) गुड प्रैक्टिस अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार सऊदी अरब के रियाद में क्षेत्रीय सामाजिक सुरक्षा फोरम में आईएसएसए के अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद अजमान द्वारा प्रदान किया गया। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) को संचार चैनल, ई-कार्यवाही: न्याय प्रदान करने में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग, व्यापक जिला आउटरीच कार्यक्रम (निधि आपके निकट), बहुभाषी कॉल सेंटर और प्रयास पहल के लिए पांच योग्यता प्रमाण पत्र प्राप्त हुए। ईपीएफओ की ओर से ईएसआईसी के महानिदेशक अशोक कुमार सिंह ने ये पुरस्कार प्राप्त किए। ईपीएफओ ने सामाजिक सुरक्षा प्रशासन द्वारा संचार पर आईएसएसए दिशा-निर्देशों को अपनाया है और हितधारकों के साथ प्रभावी और कुशलतापूर्वक संवाद करने के लिए एक संचार रूपरेखा दस्तावेज (सीएफडी) तैयार करके इसे लागू किया है। कुशल और समय पर संचार के लिए डिजिटल और गैर-डिजिटल संचार रणनीति अपनाई जा रही है। वेबिनार, लघु संदेश सेवाएं (एसएमएस) और ई-मेल, सोशल मीडिया, सूचना शिक्षा संचार (आईईसी) वीडियो, निधि आपके निकट 2.0 (एक विशाल जिला आउटरीच कार्यक्रम) के तहत शिविर आदि का उपयोग हितधारकों को शिक्षित करने और उनके साथ संवाद करने के लिए किया जाता है।

बीफ प्रतिबंध : भाजपा ने सरकार के कदम का स्वागत किया

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में बीते कल आयोजित कैबिनेट बैठक में राज्य सरकार ने होटलों, रेस्टोरेंटों, सार्वजनिक स्थानों और सामाजिक आयोजनों में बीफ (गौ-मांस) पर प्रतिबंध लगाने के लिए गए निर्णय का प्रदेश भाजपा ने स्वागत किया है। भाजपा के प्रवक्ता सुभाष दत्ता ने आज एक बयान में कहा कि राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार का यह निर्णय हमारी सनातनी सभ्यता और संस्कृति को और अधिक मजबूत करेगा। यह फैसला राज्य में रहने वाले सभी लोगों के बीच एक सकारात्मक और दीर्घकालिक प्रभाव डालेगा और भाईचारे को सशक्त करेगा। उन्होंने कहा कि यह प्रतिबंध लंबे समय से चल रहे गौ-माता संरक्षण आंदोलन को न्याय प्रदान करेगा। सनातन धर्म में गौ-माता को पूजनीय माना जाता है और सार्वजनिक रूप से गौ-मांस का सेवन कई बार बहुसंख्यक समुदाय की धार्मिक भावनाओं और संस्कृति के विपरीत होता था।

झारखंड में हेमंत मंत्रिपरिषद का विस्तार 11 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

रांची (हि.स.)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को अपनी मंत्रिपरिषद का विस्तार किया। राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने 11 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल ने इससे पहले स्टीफन मरांडी को विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर पद की शपथ दिलाई। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के छह, कांग्रेस के चार और राजद के एक विधायक को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इन मंत्रियों में राधाकृष्ण किशोर (कांग्रेस), दीपिका पांडेय सिंह (कांग्रेस), शिल्पी नेहा तिर्की (कांग्रेस), इरफान अंसारी (कांग्रेस), संजय प्रसाद यादव (राजद) और दीपक बिरुआ (झामुमो), रामदास सोरेन (झामुमो), सुदिव्य सोनू (झामुमो), चमरा लिंडा (झामुमो), योगेंद्र प्रसाद (झामुमो) और हफीजुल हसन (झामुमो) शामिल हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक और गण्यमान्य मौजूद रहे। हेमंत सोरेन ने राज्य के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में मोरहाबादी मैदान में 28 नंवबर को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली थी। विधानसभा चुनाव में आईएनडीआईए गठबंधन को 56 सीटे मिली हैं। इनमें झामुमो को 34, कांग्रेस को 16, राजद को चार, भाकपा माले को दो सीट मिली हैं। झारखंड की विधानसभा 81 सदस्यीय है।

नकली भारती मुद्रा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। अज्ञात बदमाशों द्वारा जाली भारतीय मुद्रा के परिवहन के बारे में एक विश्वसनीय सूत्र से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कलैन से कटिगोरा की ओर जा रहे एक तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कछार पुलिस अधीक्षक नोमल महता ने आज बताया है कि पुख्ता सूचना के आधार पर बीती रात काटिगोरा से एक पुलिस टीम चौरंगी पहुंचकर एक ऑटोरिक्शा (एएस-11डीसी-2970) को रोका। उक्त ऑटोरिक्शा में नकली नोट के तस्कर यात्रा कर रहे थे। संदिग्ध आरोपित मोहम्मद साजिब उद्दीन मजारभुइंया की तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 160 नग 500 के जाली नोट बरामद किए गए। तदनुसार पुलिस दल ने जाली नोटों को जब्त कर लिया और आरोपित व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की गयी है।

कामरूप (मेट्रो) में *स्वास्थ्य सेवा उत्सव-3* का सफल समापन

गुवाहाटी (हिंस)। राज्यव्यापी *स्वास्थ्य सेवा उत्सव-3* का कामरूप (मेट्रो) जिले में आज सफल समापन हुआ। यह उत्सव 3 दिसंबर से शुरू हुआ था और इस बार भी तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के कुल 56 स्वास्थ्य केंद्रों का मूल्यांकन किया गया। कार्यक्रम में एक जिला चिकित्सालय, एक सामूहिक स्वास्थ्य केंद्र, दो पहली रेफरल इकाई (एफआरयू), 47 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 5 उप-स्वास्थ्य आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का मूल्यांकन किया गया। बाह्य मूल्यांकनकर्ताओं की दो सदस्यीय टीम ने स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त, एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने बाह्य मूल्यांकनकर्ता के रूप में इन 56 स्वास्थ्य केंद्रों का आकलन किया। पश्चिम गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रमेंद्र नारायण कलिता ने स्वास्थ्य सेवा उत्सव में भाग लेते हुए धीरेनपाड़ा पहली रेफरल इकाई का निरीक्षण किया। वहीं, असम के पुलिस महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने बाह्य मूल्यांकनकर्ता के रूप में सोनापुर जिला चिकित्सालय का दौरा किया। असम के नागरिक सुरक्षा निदेशक हरमीत सिंह ने भी धीरेनपाड़ा पहली रेफरल इकाई का निरीक्षण किया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के भारत प्रतिनिधि डॉ. हार्डले डी ग्रेव और उनकी टीम ने भी कार्यक्रम के अंतर्गत गुवाहाटी के शराबभट्ठी शहरी स्वास्थ्य केंद्र का दौरा किया।

भारी मात्रा में विदेशी सिगरेट बरामद

कछार (हिंस)। कछार जिला के लैलापुर में विशेष नाका चेकिंग के दौरान, मिजोरम से आ रहे एक वाहन (एनएल-01एबी-3717) को रोका गया। वाहन की तलाशी के दौरान सीमेंट के डस्ट के नीचे छिपाए गए 1000 बॉक्स विदेशी सिगरेट (एक बॉक्स में 10 पैकेट) पाए गए। कछार जिला पुलिस अधीक्षक नोमल महता ने आज बताया है कि तलाशी के बाद सिगरेट के बॉक्स को जब्त कर लिए गए। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिनकी पहचान ताजुल उद्दीन बरभुइंया और अमज उद्दीन बरभुइंया के रूप में की गयी है। इस संबंध में धोलाई पुलिस स्टेशन में दर्ज केस संख्या 186/24 यू/एस 61(2)/318(4)/303(2)/317(2) बीएनएस के संबंध में गिरफ्तार कर सिलचर कोर्ट भेज दिया गया। आगे की जांच जारी है।

No. BDB/Tender/46/2023-24/3455 *Date.03/12/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non-refundable Court fee stamp of Rs.8.25(Rupees eight & twenty five paisa) only with a validity period of 180 days which will subsequently to be converted and drawn up in the printed of F-2 form are invited from the registered contractors of class-I (A,B & C),Class-II & Class III category of Assam PWD (Roads & Building) and BTC according to their eligibility for submitting tenders for the works under MCLAD Fund(SOPD) Under the WPT &BC Dept. BTR during the financial year 2024-25 as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 2.00PM on 27/12/24 and will be opened on the next date (as on 30/12/24) & place at 2.30 PM.

Sl.. no	Name of activity.	Estd. Value (in Lakhs)	Tender Value (in Lakhs)	EMD/Bid Security. (in Rs.)	Cost of Tender paper (in Rs.)	Time of completion of Work.
1.	"Const. of road at Turibari Village"	3,00,000/-	2,97,000/-	3,000 For ST/SC, 6,000 For Gen./,OBC	100	3 month
2.	"Const. of HPC at Nagracahara village near Bathou Thansali".	3,00,000/-	2,97,000/-	3,000 For ST/SC, 6,000 For Gen./,OBC	100	3month
3 .	"Const. of Smart fencing at Khagrabari near Mazid".	4,00,000/-	3,96,000/-	4,000 For ST/SC, 8,000 For Gen./,OBC	120	3month

Pre-bid date and Time : **07/12/2024** Last date & time of bid submission : **Upto 27/12/2024**

Date & Time of bid opening : **30/12/2024**

Detail N.I.T. may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized agents from 7/12/24 to 30/12/24 up to 1.30 PM. In the office of the undersigned on payment in the form of demand draft/bankers cheque from any Nationalized Bank, duly pledged in favour of the Principal Secretary ,BTC Kokrajhar payable at Kokrajhar.

Sd/-Block Dev.officer
Block Development Officer,
Bhergaon

IPR(BTC)/C/2024-25/1019

पृष्ठ एक का शेष

गोमांस पर पाबंदी ...

को लगता है कि मुसलमान गोमांस खाये बिना नहीं रह सकता। सच्चाई यह है कि उनके गोमांस पर पाबंदी लगाने से मुसलमानों पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मौलवी ने असम के मुसलमानों से प्रतिबंध का पालन करने का आग्रह करते हुए कहा कि मैं असम के मुसलमानों से गोमांस खाए बिना जीने का आह्वान करता हूं। जीवन और मृत्यु अल्लाह के हाथ में है। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि हिमंत विश्व शर्मा हमेशा मुसलमानों के खिलाफ बोलते हैं। उनकी सोच मुस्लिम विरोधी है। असम सरकार ने बुधवार को राज्य के रेस्तरां, होटलों और सार्वजनिक स्थानों पर गोमांस परोसने और खाने पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया था। शर्मा ने दिल्ली में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि गोमांस खाने पर मौजूदा कानून सख्त है लेकिन रेस्तरां, होटल और धार्मिक या सामाजिक समारोहों में गोमांस खाने पर अभी तक कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया था। उन्होंने कहा कि अब हमने असम में सार्वजनिक स्थानों पर भी गोमांस खाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए कानून को और सख्त बनाने का फैसला किया है।

विपक्ष ने मुख्यमंत्री ...

आरएसएस नेताओं ने कहा है कि इस देश में भोजन पर प्रतिबंध नहीं होना चाहिए। साथ ही पूछा कि अगर उन्होंने असम में प्रतिबंध लगाया है तो गोवा, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मिजोरम, मणिपुर में क्यों नहीं लगाया गया, जहां उनकी सरकारें हैं? शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि मुझे नहीं पता यह क्या फैसला है। मगर, आरएसएस नेताओं ने कहा है कि इस देश में भोजन पर कोई प्रतिबंध नहीं लगना चाहिए। अगर उन्होंने असम में प्रतिबंध लगाया है तो गोवा, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मिजोरम, मणिपुर में क्यों नहीं लगाया गया, जहां उनकी सरकारें हैं? आपने वहां बीफ पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया? कर दो। केवल असम ही क्यों? शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि यह सरकार को फैसला लेना है। इसमें कुछ भी राजनीतिक नहीं है। गौर करने वाली बात यह है कि मुख्यमंत्री को उम्मीद है कि उन्हें विपक्ष पर लगाए गए आरोपों के आधार पर कुछ राजनीतिक ब्राउनी पॉइंट मिलने की उम्मीद है। इसलिए, यह एक विकल्प है जिसे उन्हें चुनना था और उन्होंने विकल्प बना लिया है। लेकिन अगर वह इससे कोई राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं, तो उन्हें याद रखना चाहिए कि झारखंड के प्रभारी के रूप में, वह सिर्फ एक चुनाव हारने में कामयाब रहे, जब उन्होंने इसे हिंदू बनाम मुस्लिम के बारे में बताया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि झारखंड में, भाजपा को हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। वह अपनी हार और शर्मनाक हार को छिपाने के लिए आज यह साजिश रची जा रही है। मेरा मानना है कि जिस तरह से झारखंड के लोगों ने नफरत और घुसपैठियों की राजनीति को हराया, उसी तरह आने वाले चुनाव में, असम के लोग हिमंत विश्व शर्मा की भ्रष्ट सरकार को दंडित करेंगे।

असम में चार...

की पहचान रूमाना शेख, मोहम्मद बादशाह शेख, रेक्सोना खातून और मुसामा आयशा खातून के रूप में हुई। हालांकि, मुख्यमंत्री शर्मा ने यह नहीं बताया कि उन्हें भारत-बांग्लादेश सीमा पर किस क्षेत्र से पकड़ा गया। अगस्त में पड़ोसी देश में अशांति शुरू होने के बाद से अब तक 161 लोगों को अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में पकड़ा गया है और उन्हें वापस बांग्लादेश भेजा गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पूर्वोत्तर में 1,885 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर अपनी सतर्कता बढ़ा दी है। राज्य में अवैध प्रवेश को रोकने के लिए असम पुलिस भी सीमा पर हाई अलर्ट पर है।

राज्य में अब उठ ...

लगाने की अपील की है। एसएएमडब्ल्यूसी के मुसलमानों ने कहा है कि राज्य में जब सार्वजनिक जगहों पर गोमांस पर प्रतिबंद लगा है, और बीफ बैन किया गया है तो सुअर का मांस यानी पोर्क भी बंद होना चाहिए। मुसलमानों के 5 किलोमीटर के दायरे में सुअरों के वध और मांस बिक्री पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। मुसलमानों ने कहा कि गोमांस पर प्रतिबंध लगाने के मामले में सरकार को पुनर्विचार करना चाहिए। पहले यह मंदिर के 5 किलोमीटर के दायरे में बैन था। परिषद ने कहा है कि ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से सुअर के मांस को मुसलमानों को खरीदना नहीं चाहिए। सुअर का मांस खाना इस्लाम में पूरी तरह से वर्जित है। इसलिए उन जगहों पर जहां मुस्लिम आबादी ज्यादा है वहां पर इसे बैन कर देना चाहिए। एसएएमडब्ल्यूसी ने यह भी कहा कि ज्यादातर आदिवासी सुअर पालते हैं और उनका मांस खाते हैं इसलिए सुअर पर पूरी तरह से बैन नहीं लगाया जा सकता है।

हॉर्नबिल महोत्सव : पीएम ...

पहले इस महोत्सव में मेरी अपनी यात्रा की सुखद यादें हैं और मैं अन्य लोगों से भी इसे देखने एवं नागा संस्कृति की जीवंतता का अनुभव करने का आग्रह करता हूं। उल्लेखनीय है कि हॉर्नबिल महोत्सव नगालैंड में 1 से 10 दिसंबर तक मनाया जाने वाला एक वार्षिक उत्सव है। यह नगालैंड के सभी जातीय समूहों का प्रतिनिधित्व करता है, जिसके लिए इसे त्योहारों का त्योहार भी कहा जाता है।

देवेंद्र फडणवीस तीसरी ...

चर्चा के बाद महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुरुवार को आजाद मैदान में आयोजित समारोह में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए तैयार हो गए। महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री और शिवसेना शिंदे समूह के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा एपी) के अध्यक्ष अजीत पवार ने भी उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। अजीत पवार ने आज छठवीं बार उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, रामदास आठवले, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत कई राजनेता मौजूद रहे। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में उद्योगपति मुकेश अंबानी सपरिवार उपस्थित थे, जबकि भारत रत्न क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, फिल्म स्टार शाहरुख खान, सलमान खान, संजय दत्त, फिल्म अभिनेत्री माधुरी दीक्षित सहित फिल्म जगत की नामी हस्तियां कार्यक्रम में उपस्थित थीं। इस कार्यक्रम में शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे को भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन यह लोग किन्हीं कारणों से शपथ ग्रहण कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके।

इंडिया-फर्स्ट नीति ...

गया है। राष्ट्रपति पुतिन ने मेक इन इंडिया पहल का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि यह पहल भारत को एक प्रमुख विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और इसके जरिए भारत ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। उन्होंने इस पहल को विदेशी निवेश आकर्षित करने के संदर्भ में भी अहम बताया। पुतिन ने यह भी कहा कि रूस की इच्छा है कि वह मेक इन इंडिया के अंतर्गत भारत में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करे, और यह निवेश रूस और भारत दोनों के लिए लाभकारी होगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि रूस की तेल कंपनी रोसनेफ्ट ने हाल ही में भारत में 20 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। राष्ट्रपति पुतिन ने ब्रिक्स देशों के संदर्भ में भी चर्चा की और कहा कि ब्रिक्स निवेश मंच वैश्विक दक्षिण और पूर्वी देशों को वित्तीय संसाधन प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण होगा। पुतिन ने इस मंच के बारे में कहा कि यह सभी भागीदार देशों को लाभ पहुंचाने की क्षमता रखता है और यह वैश्विक अर्थव्यवस्था को समर्थन देने में मदद करेगा। उन्होंने एसएमई (छोटे और मंझले उद्योग) के विकास के लिए ब्रिक्स देशों के बीच और अधिक सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। पुतिन ने विशेष रूप से ब्रिक्स देशों के बीच त्वरित विवाद समाधान प्रणाली स्थापित करने की बात की, ताकि व्यापारिक लेनदेन में कोई अड़चन न आए। राष्ट्रपति पुतिन ने यह भी कहा कि रूस के आयात घटाने के कार्यक्रम के तहत नए रूसी ब्रांड्स का उभार हुआ है, जो पश्चिमी कंपनियों के बाजार से बाहर जाने के बाद रूस के घरेलू उद्योग में जगह बना रहे हैं। उन्होंने उपभोक्ता वस्त्र, आईटी, उच्च तकनीकी उद्योगों और कृषि में स्थानीय निर्माताओं की सफलता की सराहना की और इसे रूस के आयात घटाने के कार्यक्रम का अहम हिस्सा बताया। पुतिन ने ब्रिक्स देशों के नेताओं से अपील की कि वे अगले वर्ष ब्राजील में होने वाली शिखर सम्मेलन के दौरान सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करें। उन्होंने कहा कि यह मंच और इसका सहयोग न केवल ब्रिक्स देशों के लिए, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी विकास की नई दिशा प्रदान करेगा।

चीन में जमीन...

शेनझेन-जियांगमेन रेलवे के एक खंड के निर्माण स्थल पर हुआ। राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। आसपास के निवासियों को हटा दिया गया है। हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग...

स्क्रीनिंग में शामिल होने वाले हैं। जैसे ही फैंस को यह जानकारी मिली, वे अपनी पसंदीदा फिल्म स्टार को देखने के लिए थियेटर की ओर दौड़ पड़े। भगदड़ इतनी बढ़ गई कि भीड़ के दबाव में कई लोग जख्मी हो गए। पुलिस के मुताबिक, दिलसुखनगर की रहने वाली 39 वर्षीय रेवती अपने दो बच्चों और पति के साथ फिल्म देखने आई थी। जैसे ही अल्लू अर्जुन थियेटर पहुंचे, वहां की भीड़ बेकाबू हो गई। रेवती और उनका 9 वर्षीय बेटा तेज इस भगदड़ में दब गए। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल भेजा गया, लेकिन अस्पताल में रेवती को मृत घोषित कर दिया गया। तेज की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उसे बेगमपेट के केआईएमएस अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है। इस हादसे के बाद अल्लू अर्जुन से भी प्रतिक्रिया ली गई। उन्होंने कहा कि वे हमेशा अपने फैंस से बेहद प्यार करते हैं और इस तरह की घटनाओं से उन्हें बहुत दुख हुआ है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए फैंस की सुरक्षा सबसे पहले आती है, और इस हादसे के बारे में सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है।जहां एक ओर फिल्म की स्क्रीनिंग में यह हादसा हुआ, वहीं दूसरी ओर पुष्पा 2 को लेकर फैंस और क्रिटिक्स दोनों का प्यार मिल रहा है। फिल्म के मिडनाइट शोज में फैंस ने शानदार प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया पर फिल्म के सीन वायरल हो रहे हैं, जिसमें अल्लू अर्जुन ने साड़ी पहनकर एक बेहतरीन डांस नंबर पेश किया है। आलोचकों ने भी फिल्म की सराहना की है और उम्मीद जताई जा रही है कि पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई करेगी। पुष्पा 2 के प्रीमियर शो में मची भगदड़ ने एक खुशहाल मौके को दुखद बना दिया। अल्लू अर्जुन की फैन फॉलोइंग जबरदस्त है, लेकिन इस घटना ने इस उत्सव को एक गहरे दुख में बदल दिया। उम्मीद की जा रही है कि आगे से ऐसी घटनाओं से बचने के लिए सख्त सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे, ताकि किसी को भी जानमाल का नुकसान न हो।

इजराइल ने गाजा में ...

नागरिक हताहत नहीं हों। मुवासी तंबू शिविर पर हमला बुधवार को गाजा पट्टी में हुए कई घातक हमलों में से एक था। फिलस्तीनी चिकित्सकों के अनुसार, मध्य गाजा में इजराइली हमले में कम से कम 10 और लोग मारे गए, जिनमें चार बच्चे भी शामिल हैं। इस बीच, आईडीएफ ने बताया कि गाजा पट्टी के खान यूनिस क्षेत्र के उत्तरी हिस्सों में बुधवार को हवाई हमले में 47 लोगों की मौत हो गई। हमास ने अब भी कई इजराइली नागरिकों को बंधक बना रखा है और गाजा की अधिकांश आबादी विस्थापित हो चुकी है और जीवित रहने के लिए अंतरराष्ट्रीय खाद्य सहायता पर निर्भर है। दक्षिणी शहर खान यूनिस में नासेर अस्पताल के निदेशक आतिफ अल-हौत के अनुसार, मुवासी में बुधवार को हुए हमले में कम से कम 28 लोग घायल हो गए। मुवासी में सार्वजनिक सेवाएं बहुत कम हैं और जहां लाखों विस्थापित लोग रहते हैं। अस्पताल में मौजूद एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के एक पत्रकार ने कम से कम 15 शव देखे। हमले के कुछ ही समय बाद अल-अवदा अस्पताल ने कहा कि नुसेरात शरणार्थी शिविर में एक आवासीय ब्लॉक पर हुए हमले में दो लोग मारे गए और 38 घायल हो गए। सेना ने हमले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन कहा कि मध्य गाजा में पहले किए गए हमलों में *आतंकवादी ठिकानों* को निशाना बनाया गया था।

बांग्लादेश : यूनुस सरकार...

हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास के गिरफ्तार होने के बाद इस इस्कॉन पर बैन की अटकलों को साफ किया है। अल्पसंख्यक लोगों की सुरक्षा के लिए हम कई फैसले ले रहे हैं, देश में करीब डेढ़ करोड़ के पास हिंदू समुदाय से जुड़े लोग रहते हैं। हम सब भी उन्हीं के साथ ही वहां रहते हैं। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि यूनुस सरकार बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करने में फेल हो चुकी है। न्यूयॉर्क के एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि यूनुस नरसंहार के मास्टरमाइंड हैं। वो वर्चुअल माध्यम के जरिए इस कार्यक्रम से जुड़ी थीं। उन्होंने 5 अगस्त का जिक्र करते हुए कहा कि उनके आधिकारिक आवास पर कई सारे हथियार से लैस प्रदर्शनाकरियों को भेजकर गोली चलवाई गई। करीब आधे घंटे तक वहां गोलियों चलाई जाती रहीं, ऐसे में कई लोगों की जानें जा सकती थीं। बांग्लादेश में शेख हसीना के बाद बनी मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के मामले बढ़े हैं, हाल में ही इस्कॉन के चिन्मय कृष्ण दास को भी गिरफ्तार कर लिया गया। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने कहा कि हिंदुओं की भावनाओं और उनकी सुरक्षा के लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा कि देश की सरकार को वहां रहने वाले हिंदू और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की सुरक्षा और सम्मान का ध्यान रखना चाहिए।

लोगों में न तो...

यह है कि न तो उनमें कानून के प्रति सम्मान है, न ही कानून का डर है। रेड सिग्नल पर लोग गाड़ी नहीं रोकते, हेलमेट नहीं पहनते, ऐसी कई समस्याएं हैं। 30,000 लोग सिर्फ इसलिए मर जाते हैं क्योंकि वे हेलमेट नहीं पहनते हैं। मैं खुद इसका शिकार रहा हूं, महाराष्ट्र में विपक्ष का नेता रहते हुए एक दुर्घटना में मेरा पैर चार जगह से टूट गया था और मैं इस मामले में लगातार संवेदनशील हूं। उन्होंने कहा, मुझे यह स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है, लेकिन दुख की बात है कि कड़ी मेहनत के बावजूद इस साल सड़क दुर्घटनाओं में 1.68 लाख मौतें हुई हैं। इनमें से बड़ी संख्या में मौतें इसलिए हुई हैं क्योंकि सड़कों पर नियमों का सख्ती से पालन नहीं किया गया है...जन प्रतिनिधियों, मीडिया या समाज के सहयोग के बिना यह संभव नहीं है। हमने जुर्माने भी बढ़ाए हैं, लेकिन लोग नियमों का पालन नहीं करते हैं। गडकरी ने कहा कि बुधवार को एक कार ने उनके सामने से ट्रैफिक सिग्नल तोड़ दिया। मंत्री ने अध्यक्ष से इस मुद्दे पर अलग से चर्चा कराने का आग्रह किया और कहा कि सरकार स्थिति में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि समस्या यह भी है कि कुछ ब्लैक स्पॉट हैं और सरकार ने ब्लैक स्पॉट पर 40,000 करोड़ रुपए खर्च करने का निर्णय पहले ही ले लिया है... विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में पहचानी गई गलतियों के अनुसार ब्लैक स्पॉट मौजूद हैं और हम इसके लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

असम बीफ बैन ...

कहा है कि ये निजी जीवन में दखल देने जैसा है। संविधान सबको हर तरह का अधिकार देता है। भारत में अलग-अलग तरीके के लोग रहते हैं। सबकी अपनी आस्था है अपने खान-पान हैं, अगर इस तरह के सरकारी रोक लगाएंगे तो यह राइट ऑफ फ्रीडम का सीधा उल्लंघन है। कोई किसी पर जोर जबरदस्ती नहीं कर सकता है। हम अपनी मर्जी और पसंद चीज खाने का अधिकार रखते हैं। इकरा हसन ने कहा कि हमारा संविधान यह नहीं कहता है कि हम किसी दूसरे के फ्रीडम का उल्लंघन करें। खाने-पीने का सवाल मुझ तक सीमित है मुझे किसी दूसरे से आपत्ति नहीं होनी चाहिए। इनके रवैये से पता चलता है कि इनके पास विकास का कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए ही ये लोग ऐसा कर रहे हैं। ये हमारे देश के संविधान के लिए ठीक नहीं है। खान-पान निजी जीवन का हिस्सा है। पहनने-ओढ़ने में अगर सरकार दखल देगी तो फिर प्रजातंत्र नहीं रह जाएगा, ऐसा करने पर हम तानाशाही की ओर हम जा रहे हैं। इस मसले पर एआईयूडीएफ विधायक और पार्टी महासचिव, डॉ रफीकुल इस्लाम ने कहा कि कैबिनेट को यह तय नहीं करना चाहिए कि लोग क्या खाएंगे या पहनेंगे? भाजपा गोमांस पर प्रतिबंध नहीं लगा सकती है। असम के सीएम विश्व शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए घोषणा की है राज्य में बीफ पूरी तरह से बैन रहेगा। होटल, रेस्ट्रॉं, त्योहार और बड़े कार्यक्रमों में गोमांस की खपत नहीं की जाएगी। इस पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। उन्होंने कहा कि धार्मिक, सामाजिक और अन्य सार्वजनिक समारोहों में गोमांस नहीं परोसा जाएगा। राज्य में इस नए प्रावधान को असम मवेशी संरक्षण अधिनियम 2021 को मजबूत करने के लिए जोड़ा जाएगा।

सांसद गोगोई ने सरकार से माजुली के अस्तित्व और विरासत को संरक्षित करने का किया आग्रह

गुवाहाटी (हिंस)। लोकसभा में विपक्ष के उप नेता और जोरहाट के सांसद गौरव गोगोई ने सरकार से असम की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का झंडा बुलंद करने वाले विश्व के सबसे बड़े नदी द्वीप माजुली के सत्र नगरी के अस्तित्व की रक्षा करने का आग्रह किया है। लोकसभा अधिनियम 377 के तहत विपक्ष के उपनेता गोगोई ने गुरुवार को ब्रह्मपुत्र नद की भीषण बाढ़ और कटाव से नदी द्वीप माजुली के अस्तित्व के खतरे का मुद्दा उठाते हुए सरकार का ध्यान आकर्षित किया और कहा कि भविष्य के लिए माजुली की सुरक्षा के हित में सभी आवश्यक संसाधनों का आवंटन किया जाना चाहिए। गोगोई ने कहा कि लंबे समय से चली आ रही प्राकृतिक आपदाओं, विशेष रूप से बाढ़ के कारण माजुली का अस्तित्व खतरे में है। वर्षों से, विनाशकारी बाढ़ ने इसके हजारों निवासियों को बेघर कर दिया है। कटाव के कारण मिट्टी, मकान और दरवाजेघर-बार नद में समा गए हैं, जिससे प्रभावित लोगों को अपनी जगह छोड़नी पड़ रही है। प्राकृतिक आपदाओं ने जीवन और आजीविका के सभी रास्ते बंद कर दिए हैं। द्वीप का क्षेत्र खतरनाक दर से सिकुड़ने के साथ लोग, जिन्होंने कृषि को अपनी आजीविका के रूप में लिया है, एक अंधेरे भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं। इस तथ्य का उल्लेख करते हुए कि जोरहाट-माजुली पुल का निर्माण रुक गया है, सांसद ने कहा कि यह द्वीप के समग्र विकास में एक बाधा के रूप में खड़ा है। उन्होंने कहा कि बहुप्रतीक्षित जोरहाट-माजुली लिंक पुल का निर्माण कार्य ठप हो गया है। इसके चलते द्वीप की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को गंभीर रूप से बाधित किया है। पुल पूरा नहीं हुआ है, जिससे आवश्यक वस्तुओं, चिकित्सा आपूर्ति और कृषि उपज के परिवहन में बाधा उत्पन्न हुई है, जिससे द्वीप के लोग लगभग अलग-थलग और कमजोर हो गए हैं। सांसद ने 2014 में शुरू हुई जोरहाट-डिब्रूगढ़-जगीरोड परियोजना के लिए 2015 में मुआवजे के बावजूद भूमि अधिग्रहण और निर्माण में देरी की ओर भी इशारा किया। इस बात पर चिंता व्यक्त करते हुए कि इस तरह के मुद्दों से माजुली का भविष्य प्रभावित हुआ है, उन्होंने कहा कि सरकार को माजुली की अनूठी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और इसके लोगों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए त्वरित और निर्णायक कदम उठाने होंगे। गोगोई ने सरकार से इस जरूरी मुद्दे पर गंभीरता से विचार करने और माजुली के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक धन आवंटित करने का आग्रह किया।

राज्य वन सेवा अधिकारियों का 19वां दीक्षांत समारोह संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय राज्य वन सेवा अकादमी, बर्नीहाट, असम के दीक्षांत समारोह हॉल में 24 महीने के प्रशिक्षण के पूरा होने पर दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इस बैच में राजस्थान (43 अधिकारी), उत्तर प्रदेश (03 अधिकारी) दोनों राज्यों के 46 एसएफएस अधिकारी शामिल थे। दीक्षांत समारोह डॉ. सी. रमेश आईएफएस, फील्ड डायरेक्टर मानस नेशनल पार्क एंड टाइगर रिजर्व, असम सरकार और सीए रहमान आईएफएस (सेवानिवृत्त) उपस्थिति में संपन्न हुआ। विशिष्ट अतिथियों ने पाठ्यक्रम के लिए ऑनर्स डिप्लोमा, पास डिप्लोमा और पदक प्रदान किए। मुख्य अतिथि, डॉ. सी रमेश आईएफएस ने दीक्षांत भाषण देते हुए अधिकारियों को उनके प्रशिक्षण के सफल समापन पर बधाई दी और वानिकी में उनके सफल करियर की कामना की। सीए रहमान आईएफएस (सेवानिवृत्त) ने अपने दीक्षांत भाषण में अधिकारियों से विनम्रता और दृढ़ता के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में गर्व महसूस करने पर जोर दिया। इस अवसर पर, अकादमी पत्रिका अरण्यम और अधिकारी प्रशिक्षु- सत्यपाल सिंह द्वारा पुस्तिका सीएएसएफओएस डायरीज का भी विशिष्ट अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया। स्वागत भाषण कोर्स डायरेक्टर डॉ. एलसी बंदना आईएफएस ने दिया, जबकि अकादमी के प्रिंसिपल राहुल एम रोहाने आईएफएस ने 2022-24 एसएफएस इंडक्शन कोर्स की कोर्स रिपोर्ट प्रस्तुत की। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एलसी बंदना ने परिणाम घोषित किए और वैज्ञानिक-सी डॉ. मोहम्मद सिराज अंसारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। राजस्थान के तरुण मीना को 85.54 प्रतिशत अंकों के साथ बैच का टॉपर घोषित किया गया और उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। उन्होंने दो और पदक भी जीते। सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड अधिकारी प्रशिक्षु के लिए रजत पदक और वन प्रबंधन और कार्य योजना में दक्षता के लिए रजत पदक। राजस्थान की अदिति सिंह ने पारिस्थितिकी में दक्षता के लिए रजत पदक जीता। 09 महिला अधिकारियों सहित सभी 46 एसएफएस अधिकारियों ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा कर लिया था।

नकली भारतीय मुद्रा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार जिला मुख्यालय शहर सिलचर पुलिस ने खुफिया सूचना के आधार पर दो नकली भारतीय नोट के सौदागरों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक नोमल महता ने आज बताया है कि बीती रात सिलचर पुलिस स्टेशन की टीम ने एक विश्वसनीय सूचना के आधार पर दो लोगों को पकड़ा। दोनों की पहचान मोहम्मद अकबर अली मजूमदार और मोहम्मद मैदुल इस्लाम लस्कर के रूप में की गयी है। पुलिस टीम ने सुनाबारीघाट बाइपास इलाके में तलाशी के दौरान तस्करों के पास से 500 रुपए के 181 नकली नोट बरामद किए। जिनकी कीमत कुल 90,500 रुपए है। बरामद नकली नोटों को तटस्थ गवाहों की मौजूदगी में जब्त कर लिया गया। मामले की आगे की जांच जारी है।

एनडीआरएफ कर्मी की तत्परता से बची व्यक्ति की जान

गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) कर्मी ने एक घायल व्यक्ति की जान बचाई है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एनडीआरएफ की एंबुलेंस में मौजूद नर्सिंग असिस्टेंट राजेश छेत्री ने उदलबाकरा, काहिलीपाड़ा के पास गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को देखा। इसके बाद एंबुलेंस रोककर उन्होंने घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार प्रदान किया और उसे जल्द से जल्द हयात अस्पताल पहुंचाया। व्यक्ति की पहचान मालीगांव, गुवाहाटी निवासी 52 वर्षीय अनुपम नाग के रूप में हुई। बताया जाता है कि वह अपने दोपहिया वाहन से जा रहे थे, तभी एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी थी। एनडीआरएफ के प्रथम बटालियन कमांडेंट एचपीएस कंधारी ने राजे छेत्री की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है। उन्होंने बल के सभी कर्मचारियों को प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए *मेन इन ऑरेंज* शब्दों का पालन करने और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। एनडीआरएफ के *मेन इन ऑरेंज* आपदाओं के दौरान लोगों की जान बचाने के लिए अथक प्रयास करते हैं। छेत्री की इस घटना ने एक बार फिर साबित किया है कि एनडीआरएफ के जवान न केवल बड़ी आपदाओं, बल्कि छोटी-छोटी घटनाओं में भी लोगों की मदद के लिए तत्पर रहते हैं।

दिल्ली में पहली बार अष्टलक्ष्मी महोत्सव आज से

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में बहुप्रतीक्षित तीन दिवसीय अष्टलक्ष्मी महोत्सव 6 दिसंबर से शुरू होने वाला है। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर), पूर्वोत्तर हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम लिमिटेड (एनईएचएचडीसी) और इन्वेस्ट इंडिया द्वारा पहली बार आयोजित अष्टलक्ष्मी महोत्सव पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध विविधता को प्रदर्शित करेगा, जिसमें क्षेत्र के शिल्प, कला और सांस्कृतिक विरासत को भव्य व्यावसायिक तरीके से दर्शाया जाएगा। पूर्वोत्तर के आठ राज्य, जिन्हें अक्सर *अष्टलक्ष्मी* या समृद्धि के आठ रूप कहा जाता है, भारत के सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षितिज में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। तीन दिवसीय महोत्सव के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में क्षेत्र की अपार संभावनाओं और इसकी जीवंत संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह महोत्सव क्षेत्र के जीवंत वस्त्र उद्योग, हस्तशिल्प और अद्वितीय भौगोलिक संकेत (जीआई) उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक अभूतपूर्व मंच प्रदान करता है। विशेष शो के निर्देशक प्रसाद बिदापा द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र के शीर्ष डिजाइनरों जैसे अरुणाचल प्रदेश से जेनजुम गादी, असम से प्रियंका डी. पटवारी, मेघालय से डैनियल सिम, मणिपुर से रिचाना खुनमनथेम, मिजोरम से पेट्रीसिया जेड़ेंग, नगालैंड से बांबी केविचुसा, सिक्किम से कर्मा सोनम भूटिया और त्रिपुरा से ज्योत्सना देबबर्मा के साथ एक विशेष फैशन शो में पारंपरिक वस्त्रों के साथ समकालीन डिजाइन के मिश्रण के साथ शानदार परिधानों का प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें मुगा सिल्क गाउन और एरी सिल्क स्टाल शामिल होंगे। उद्योग के नेता, डिजाइनर और फैशन विशेषज्ञ टिकाऊ फैशन, हथकरघा के भविष्य और पूर्वोत्तर भारत के कपड़ा उद्योग की वैश्विक क्षमता पर चर्चा करेंगे। एक भव्य संगीत समारोह का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मेघालय के प्रसिद्ध शिलांग चैम्बर क्वायर, मिजोरम के पंगपारी, सिक्किम के लेप्चा लोक संगीत बैंड सोफियाम, ईस्टर्न एलिमेंट्स अनप्लग्ड-ब्लूज टू रागा जैज, मणिपुर के बसव, फेदरहेड्स हाओकुई-तंगखुल, नागा लोक, ताई खामती-मयूर नृत्य तथा नगालैंड के गिटारवादक इम्नाइनला जमीर और असम की वायलिन वादक सुनीता भुइयां की प्रस्तुतियां शामिल होंगी। इस आयोजन का एक और मुख्य आकर्षण पूर्वोत्तर भारत के छिपे हुए रत्नों जैसे कि शेरगांव, अरुणाचल प्रदेश, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, असम, मोइरंग, मणिपुर, सोहरा, मेघालय, थेनजावल, मिजोरम, नामची, सिक्किम, किसामा गांव, नगालैंड और माताबारी, त्रिपुरा के माध्यम से एआर-वीआर इमर्सिव वर्चुअल यात्रा होगी। यह आयोजन क्रेता-विक्रेता बैठक के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत के कारीगरों और खरीदारों के बीच दीर्घकालिक व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा देगा।

स्वास्थ्य सेवा उत्सव 3.0 का अंतिम दिन सफलतापूर्वक संपन्न

विकसित भारत समाचार

चिरांग। स्वास्थ्य सेवा उत्सव 3.0 गुरुवार को चिरांग जिले में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जो इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा पहुंच में सुधार लाने के उद्देश्य से एक प्रभावशाली स्वास्थ्य पहल का समापन था। अंतिम दिन, एक मूल्यांकन दल ने जिले भर में 10 स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों का दौरा किया, जिसमें बल्लामगुड़ी ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बरलावगांव उप-केंद्र, अथियाबाड़ी उप-केंद्र, किनाबोरगांव मिनी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल थे। दल ने इन केंद्रों पर सेवाओं और बुनियादी ढांचे का गहन मूल्यांकन किया, यह सुनिश्चित करते हुए कि स्वास्थ्य सेवा वितरण और आउटरीच को बढ़ाने के कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से पूरा किया गया। स्वास्थ्य सेवा उत्सव 3.0 का सफल समापन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और चिरांग जिले के सभी समुदायों तक आवश्यक चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने के लिए चल रहे प्रयासों पर प्रकाश डालता है।

अवैध इमारती लकड़ियों समेत डंपरों और जेसीबी जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रानीगुली की बीपीओ सोनापुर को मिली गुप्त सूचना के आधार पर बीपीओ सोनापुर एवं वन विभाग शांतिपुर के साथ मिलकर, भारत-भूटान पिलर संख्या-162/2 से लगभग 07 किलोमीटर भारत की ओर गस्ती अभियान के दौरान पत्थरों से भरे दो डंपर व एक जेसीबी के साथ पांच तस्करों को गिरफ्तार किया गया। जब्त किए गए अवैध डंपर व एक जेसीबी सहित पाचों तस्करों को वन विभाग शांतिपुर को अग्रिम कार्यवही हेतु सुपूर्द कर दिया गया। वही पिलर संख्या-166/4 से लगभग 7 किलोमीटर भारत की ओर फॉरेस्ट ऐरिया में सोनापुर एवं वन विभाग शांतिपुर के साथ मिलकर संयुक्त गस्ती के दौरान आठ साइकिल के साथ 47.49 सीएफटी लकड़ी को जब्त किया। जब्त किए गए लकड़ी व साइकिल को वन विभाग शांतिपुर में अग्रिम कार्रवाई हेतु सूपूर्त कर दिया गया। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लगातार भारत-भूटान सीमा पर भारतीय वन क्षेत्रों में गस्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की गलत गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है।

सफल बुवाई : बीटीआर के अग्रणी ड्रैगन फ्रूट किसान और कृषि नवाचार के समर्थक अकबर अली अहमद की प्रेरक यात्रा

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। बीटीसी का सहकारिता विभाग, असम के बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के चिरांग जिले के दूरदर्शी किसान अकबर अली अहमद की उल्लेखनीय उपलब्धियों को गर्व से स्वीकार करता है, जिन्होंने राज्य में कृषि सफलता को फिर से परिभाषित किया है। उनकी अभिनव कृषि पद्धतियों और परिवर्तनकारी दृष्टि ने उन्हें कई पुरस्कार दिलाए हैं, जिसमें हाल ही में मिलियनेयर फार्मर ऑफ इंडिया 2024 कार्यक्रम में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय किसान पुरस्कार का राष्ट्रीय सम्मान भी शामिल है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के सहयोग से कृषि जागरण द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम 1 से 3 दिसंबर, 2024 तक नई दिल्ली में आईसीएआर पूसा मेला ग्राउंड में आयोजित किया गया। अपने अभिनव दृष्टिकोण और साथी किसानों को सशक्त बनाने के प्रति समर्पण के लिए जाने जाने वाले अकबर, सहकारिता विभाग के लिए एक मूल्यवान सहयोगी और विशेषज्ञ वक्ता रहे हैं, जिन्होंने सहकारी समितियों और ग्रामीण समुदायों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने और अपनी प्रथाओं में विविधता लाने के लिए प्रेरित किया है। अकबर की अग्रणी यात्रा छह साल पहले शुरू हुई जब उन्होंने पारंपरिक खेती से हटकर विदेशी और उच्च मांग वाले ड्रैगन फ्रूट की खेती करने का साहसिक निर्णय लिया। इसने खिदमत एग्रो नर्सरी एंड फार्म की नींव रखी, जो उनके दो हेक्टेयर के उद्यम ने जल्द ही असम में ड्रैगन फ्रूट उत्पादन में अग्रणी बन गया। दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से, अकबर ने अनुसंधान, योजना और महत्वपूर्ण वित्तीय निवेश की शुरुआती चुनौतियों को पार कर लिया। मजबूत खंभे, पौधे और ड्रिप सिंचाई प्रणाली स्थापित करने में प्रति हेक्टेयर 14-15 लाख रुपए की लागत आई, लेकिन उन्होंने इसे टिकाऊ खेती में दीर्घकालिक निवेश के रूप में देखा। परिणाम परिवर्तनकारी थे। दूसरे वर्ष तक, अकबर के खेत में प्रति हेक्टेयर सालाना 30 टन फल की पैदावार हो रही थी, जिससे 1 करोड़ रुपए से अधिक की प्रभावशाली आय हो रही थी। उनकी सफलता की कहानी ने सहकारी समितियों से जुड़े लोगों सहित अनगिनत किसानों को प्रेरित किया है, जो आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कृषि पद्धतियों की क्षमता का प्रदर्शन करते हैं। कृषि विकास के एक उत्साही समर्थक, अकबर ने सहकारिता विभाग द्वारा आयोजित कई कार्यशालाओं और प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से अपनी विशेषज्ञता साझा की। एक विशेषज्ञ वक्ता के रूप में, उन्होंने प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) को टिकाऊ खेती की तकनीकों की खोज करने, फसल उत्पादन में विविधता लाने और नए बाजार संबंध बनाने में मार्गदर्शन किया है। आधुनिक बागवानी प्रथाओं के बारे में उनकी अंतर्दृष्टि पूरे क्षेत्र में किसानों को सशक्त बनाने के विभाग के प्रयासों के लिए अमूल्य रही है।

ड्रैगन फ्रूट के अलावा, अकबर ने माल्टा, स्वीट लाइम, अनानास और एप्पल बेर सहित अन्य उच्च-मूल्य वाली बागवानी फसलों की सफलतापूर्वक खेती की है। इन प्रयासों ने बीटीआर की कृषि विविधता को समृद्ध किया है, जो टिकाऊ, उच्च-मूल्य वाली खेती की क्षमता को और प्रदर्शित करता है। अकबर का अपने समुदाय के लिए योगदान भी उतना ही सराहनीय है। उनके खेत में 20 से अधिक स्थानीय कर्मचारी काम करते हैं, जो उन्हें मूल्यवान प्रशिक्षण और स्थिर आजीविका प्रदान करते हैं। उनकी पहल ने पड़ोसी किसानों के बीच रुचि जगाई है, जिनमें से कई अब पारंपरिक फसलों के लिए एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में ड्रैगन फ्रूट की खेती की खोज कर रहे हैं। अपनी यात्रा पर विचार करते हुए, अकबर ज्ञान साझा करने और सहयोग के महत्व पर जोर देते हैं: *खेती केवल व्यक्तिगत सफलता के बारे में नहीं है; यह आपके समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव डालने के बारे में है। एक साथ काम करके, हम असाधारण चीजें हासिल कर सकते हैं।* सहकारिता विभाग, बीटीसी, अकबर अली अहमद को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए हार्दिक बधाई देता है। उनकी कहानी इस बात का एक शक्तिशाली उदाहरण है कि कैसे नवाचार, कड़ी मेहनत और ज्ञान साझा करने की प्रतिबद्धता न केवल व्यक्तिगत जीवन बल्कि पूरे समुदाय को बदल सकती है। चूंकि विभाग किसानों को समर्थन और सशक्त बनाने के अपने मिशन को जारी रखे हुए है, अकबर की यात्रा सभी के लिए एक प्रेरणा बनी हुई है, जो साबित करती है कि दूरदर्शिता और दृढ़ता के साथ, सबसे महत्वाकांक्षी सपने भी वास्तविकता बन सकते हैं।

ढाबों में बेची जा रही भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त

कछार (हिंस)। कछार जिला की कलाइन पुलिस ने एक अभियान चलाते हुए सड़क किनारे बने ढाबों से भारी मात्रा में अवैध शराब को जब्त किया है। कछार जिला पुलिस अधीक्षक नोमल महता ने आज बताया है कि बीती रात कलाइन पुलिस स्टेशन की टीम ने सड़क किनारे बने ढाबों पर अवैध शराब के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया जहां से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब को जब्त किया। इस संबंध में पुलिस ने किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया है। बरामद शराब इंपीरियल ब्लैक-180 एमएल 30 नग। मैकडॉवल्स नंबर 1- 180 एमएल 50 नग। मैकडॉवल्स रम-180 एमएल 50 नग। किंगफिशर बीयर-7 नग। ओल्ड मोंक-180 एमएल 15 नग। आइकॉनिक व्हाइट-180 एमएल 15 नग। केडी 50 रम-750 एमएल 5 नग शामिल है। पुलिस इस मामले में आगे की जांच जारी रखे हुए है।

होजाई : विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ हीरक-जयंती कार्यक्रम का भव्य आयोजन

होजाई (निसं)। होजाई स्थित रामकृष्ण सेवाश्रम आगामी दिनांक 6 दिसंबर से 8 दिसंवर 2024 तक तीन दिवसीय विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ हीरक-जयंती (75 वीं) वर्षगांठ का भव्य आयोजन करने जा रही है। इस संदर्भ में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कार्यक्रम संयोजक रंजीत कुमार पाल ने बताया कि हीरक जयंती के अवसर पर 6 दिसंबर 2024 बार शुक्रवार को प्रात: 7.30 बजे स्वामी ज्ञानलोकानंद जी महाराज, ट्रस्टी वेलुरमठ, कलकत्ता द्वारा हीरक जयंती तोरण द्वार का शुभ उद्घाटन करेंगें। वहीं स्वामी अच्युतेस्वानंद महाराज साधुभवन का उद्घाटन करेंगे। उन्होने बताया कि प्रात: 9 वजे एक विशाल शोभायात्रा रामकृष्ण सेवाश्रम से निकाली जाएगी जो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए व पुन: रामकृष्ण सेवाश्रम पहुंचेगी। अपराह्न 4 वजे से रामकृष्ण सेवाश्रम के कलाकारों द्वारा उद्घाटन संगीत की प्रस्तुति दी जाएगी एवं सभा का आयोजन होगा। वहीं संध्या के समय स्मारिका *उत्तरण* का भी विमोचन होगा। सचिव-बादल चंद्र दास ने बताया कि 7 दिसंबर 2024 बार शनिवार को प्रात: 9 बजे से मातृसम्मेलन, अपराह्न 4 बजे से 6 बजे तक धर्मसभा आयोजित होगी। 8 दिसंबर 2024 वार रविवार को प्रात: 9 बजे से 12 बजे तक भक्त सम्मेलन आयोजित होगा जिसमें स्वामी हितकामानंद जी, स्वामी ज्ञानलोकानंदजी, स्वामी अरुणात्मानंद जी महाराज उपस्थित रहकर भक्तो को ज्ञान संबधित प्रवचन देगें। इसके बाद 1 बजे से 3 बजे तक प्रसाद का वितरण होगा। अपराह्न 4 से 6 बजे तक धर्मसभा आयोजित होगी। तीन दिवसीय कार्यक्रमों में संध्या के समय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। अध्यक्ष मदन घोष ने बताया कि रामकृष्ण सेवाक्रम हमेशा सेवामूलक कार्यक्रम आयोजित करती है। बाढ़ के समय, जरूरतमंदो के बीच सेवा का हाथ बढ़ाती है, वही कम्वल वितरण, स्वास्थय चिकित्सा, आदि को हमेशा प्राथमिकता देती है। रामकृष्ण सेवाश्रम में निरंतर नि:शुल्क होम्योपेथी चिकित्सा का लाभ जरूरतमंद उठाते हैं। संवाददाता सम्मेलन में विश्वजीत घोष, परितोष पाल सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

कावेरी अस्पताल में घुटने के दर्द से राहत के लिए क्रांतिकारी कदम

गुवाहाटी। कावेरी अस्पताल के जेनिकुलर आर्टरी एम्बोलाइजेशन के विशेषज्ञ डॉ. सत्य नारायणन ने कहा कि इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के क्षेत्र में हाल ही में हुई प्रगति ने हमें जेनिकुलर आर्टरी एम्बोलाइजेशन नामक न्यूनतम इनवेसिव पिनहोल प्रक्रिया के माध्यम से ऑस्टियोआर्थराइटिक घुटने के दर्द का इलाज करने में सक्षम बनाया है। जीएई के लाभ हैं : कोई निशान या टांके नहीं, कोई दर्द नहीं, अस्पताल में कम समय तक रहना और दैनिक गतिविधियों को जल्दी से जल्दी फिर से शुरू करना। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, घुटने के जोड़ में लगातार घिसाव होता रहता है, जिसके परिणामस्वरूप आर्टिकुलर कार्टिलेज का नुकसान होता है, जो घुटने की हड्डियों के बीच कुशनिंग प्रभाव प्रदान करने के लिए आवश्यक है। इस स्थिति को ऑस्टियोआर्थराइटिस कहा जाता है, जिसके कारण जोड़ की हड्डियों की नंगी सतह एक-दूसरे से रगड़ खाती है, जिसके परिणामस्वरूप दर्द, अकड़न और सूजन होती है। ऑस्टियोआर्थराइटिस के शुरुआती चरणों में चिकित्सा प्रबंधन का उद्देश्य दर्द को कम करना है। नियमित रूप से मजबूती और स्ट्रेचिंग व्यायाम मदद करते हैं। लेकिन जैसे-जैसे स्थिति बढ़ती है, स्टेरॉयड या पीआरपी या तंत्रिका ब्लॉक जैसे स्थानीय इंजेक्शन लक्षणों से राहत देते हैं, लेकिन अलग-अलग रोगियों में अलग-अलग प्रतिक्रियाएं होती हैं। जब ऑस्टियोआर्थराइटिस गंभीर हो जाता है, तो चिकित्सा प्रबंधन या स्थानीय इंजेक्शन विफल हो जाते हैं। घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी ही एकमात्र विकल्प है। जेनिकुलर आर्टरी एम्बोलाइजेशन एक न्यूनतम इनवेसिव पिनहोल प्रक्रिया है जो ऑस्टियोआर्थराइटिस के दर्द वाले रोगियों में की जाती है। इसका उद्देश्य घुटने में सूजन को कम करके दर्द से राहत प्रदान करना है। ऑस्टियोआर्थराइटिस में दर्द का मुख्य कारण सिनोवियम की सूजन है जो घुटने के जोड़ को ढकने वाली एक झिल्ली है। यह प्रक्रिया स्थानीय एनेस्थीसिया के तहत की जाती है। कमर में एक छोटा सा छेद किया जाता है जिसके माध्यम से जांघ की धमनी में एक छोटा कैथेटर डाला जाता है। सिनोवियम में जाने वाली रक्त वाहिकाओं की पहचान करने के लिए घुटने के पास रखे कैथेटर में कंट्रास्ट डाई इंजेक्ट की जाती है। इसके बाद, इन रक्त वाहिकाओं में कणों नामक एम्बोलाइजेशन एजेंट इंजेक्ट किए जाते हैं जो इसे बंद कर देते हैं। इस प्रक्रिया से गुजरने वाले मरीजों को उत्कृष्ट दर्द से राहत मिलती है जो कई वर्षों तक बनी रह सकती है।

संपादकीय

संसद में 'इंडिया' विभाजित

संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चले, इस पर स्पीकर ओम बिरला की अध्यक्षता में सभी दलों में सहमति तो बनी थी, लेकिन वह सहमति कारगर कब होगी ? मंगलवार को भी दोनों सदनों में हंगामा हुआ, विपक्ष नारेबाजी करता हुआ अध्यक्ष के आसन तक भी पहुंचा, लिहाजा वह सर्वदलीय सहमति फर्जी लगी। विपक्ष ने संसद से बहिर्गमन तक किया, लेकिन लौट कर कार्यवाही में भी शिरकत की। 'प्रश्नकाल' के दौरान सांसदों ने सवाल भी पूछे। 'शून्यकाल' की भी संभावनाएं जगीं, लेकिन बुनियादी सवाल यह है कि संसद की कार्यवाही बाधित क्यों की जाए ? क्या 'अदाणी कांड' वाकई राष्ट्रीय और संसदीय मुद्दा है, जिस पर कांग्रेस और कुछ विपक्षी दल हंगामा कर रहे हैं और संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग कर रहे हैं ? यदि अदाणी समूह ने कुछ गलत किया है, तो वह अमरीकी अदालत तय करेगी और दंडित करेगी। भारत में यह कांड 'आपराधिक' नहीं है और न ही ऐसा कोई न्यायिक निष्कर्ष सामने आया है। 'अदाणी कांड' पर ही विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन में दरारें उभरी हैं। 'इंडिया' में सर्वसम्मति कभी नहीं रही। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े के आवास पर 'इंडिया' के सहयोगी दलों की जो बैठक हुई थी, उसमें तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं ने भाग नहीं लिया। वे लगातार मानते रहे हैं कि संसद की कार्यवाही सुचारू चलनी चाहिए। अदाणी ऐसा मुद्दा नहीं है, जिस पर संसद की कार्यवाही स्थगित करने को बाध्य होना पड़े। सपा नेता अखिलेश यादव के साथ 37 सांसद लोकसभा में हैं। उनके लिए संभल क्षेत्र की सांप्रदायिक हिंसा और आम नागरिकों की मौत 'नरसंहार' से कम नहीं है। आखिर हरेक जामा मस्जिद के नीचे हिंदू मंदिर दफन के ऐतिहासिक अतीत को क्यों खोदा जाए? ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के 29 सांसद लोकसभा में हैं। उनके लिए बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, विपक्ष द्वारा शासित राज्य सरकारों के प्रति केंद्र सरकार का सौतेला और भेदभाव वाला रवैया, केंद्र द्वारा पूंजी का अपर्याप्त आवंटन आदि बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिन पर संसद में बहस होनी चाहिए। तृणमूल के लिए 'अदाणी कांड' बेमानी, फिजूल है। सपा और तृणमूल इस राजनीति के भी पक्षधर नहीं हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और अदाणी परस्पर पूरक हैं। हालांकि कांग्रेस, 'आप', राजद, शिवसेना (उद्धव), द्रमुक और वामदलों के सांसदों ने संसद भवन के 'मकर द्वार' की सीढियों पर विरोध-प्रदर्शन किया, लेकिन सपा और तृणमूल कांग्रेस उसमें शामिल नहीं हुए। सवाल यह है कि क्या संसद में 'इंडिया' गठबंधन विभाजित हो चुका है ? क्या 'इंडिया' निर्णायक तौर पर खंड-खंड हो चुका है और अब मोदी सरकार के लिए कड़ी चुनौती नहीं है ? चूंकि चुनावों के दौरान 'इंडिया' के कई घटक दलों ने अलग-अलग चुनाव लड़े, लिहाजा सवाल है कि क्या अब 'इंडिया' भीतरी तौर पर भी एक बंटा हुआ गठबंधन है ? संसद की कार्यवाही बेशकीमती है, क्योंकि वह देश के निर्वाचित सांसदों का सबसे बड़ा, महत्वपूर्ण सदन है। संसद में कानून बनाए जाते हैं तथा सांसद अपने क्षेत्र की समस्याओं को आवाज दे सकते हैं। संसद की कार्यवाही स्थगन से कितना पैसा बर्बाद होता है, अब यह उतना संवेदनशील मुद्दा नहीं रहा, क्योंकि इसकी चर्चा बार-बार की जाती है, लेकिन यह चिंतित स्थिति है कि 5 दिन में लोकसभा सिर्फ 69 मिनट और राज्यसभा 94 मिनट ही काम कर पाई। औसतन 4-5 फीसदी ही काम हो पाया। क्या संसद नारों और हंगामे का ही सदन बन गया है ? बेशक भाजपा जब विपक्ष में थी, तो उसने भी कई-कई दिन तक संसद नहीं चलने दी थी। क्या अब कांग्रेस नेतृत्व वाला 'इंडिया' भी उसका प्रतिशोध लेगा ? यह देशहित में नहीं है। यदि सार रूप में देखें, तो साल भर में 35-40 दिन भी संसद की कार्यवाही नहीं चल पाती है, जबकि अपेक्षाएं की जाती रही हैं कि कमोबेश 65-70 दिन संसद चले।

विपक्ष नारेबाजी करता हुआ अध्यक्ष के आसन तक भी पहुंचा, लिहाजा वह सर्वदलीय सहमति फर्जी लगी। विपक्ष ने संसद से बहिर्गमन तक किया, लेकिन लौट कर कार्यवाही में भी शिरकत की। 'प्रश्नकाल' के दौरान सांसदों ने सवाल भी पूछे। 'शून्यकाल' की भी संभावनाएं जगीं, लेकिन बुनियादी सवाल यह है कि संसद की कार्यवाही बाधित क्यों की जाए? क्या 'अदाणी कांड' वाकई राष्ट्रीय और संसदीय मुद्दा है, जिस पर कांग्रेस और कुछ विपक्षी दल हंगामा कर रहे हैं और संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग कर रहे हैं? यदि अदाणी समूह ने कुछ गलत किया है, तो वह अमरीकी अदालत तय करेगी और दंडित करेगी। भारत में यह कांड 'आपराधिक' नहीं है और न ही ऐसा कोई न्यायिक निष्कर्ष सामने आया है। 'अदाणी कांड' पर ही विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन में दरारें उभरी हैं। 'इंडिया' में सर्वसम्मति कभी नहीं रही।

फडणवीस अब किसी चक्रव्यूह में फंसते नहीं बल्कि उसे भेदकर बाहर निकलते हैं

देवेंद्र फडणवीस भाजपा के लिए चाणक्य बन चमक रहे हैं

ललित गर्ग

> राजनीति में दस दिन की सघन वार्ताओं और खासी नाटकीयता के बाद आखिर अंधेरा छंट गया और देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश की राजनीति को एक नई दिशा एवं दृष्टि देगा। क्योंकि फडणवीस ने अपने राजनीतिक कौशल से न केवल नये मानक गढ़े हैं बल्कि सकारात्मक राजनीति को नये आयाम दिये

महाराष्ट्र में सरकार गठन की राजनीति में दस दिन की सघन वार्ताओं और खासी नाटकीयता के बाद आखिर अंधेरा छंट गया और देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश की राजनीति को एक नई दिशा एवं दृष्टि देगा। क्योंकि फडणवीस ने अपने राजनीतिक कौशल से न केवल नये मानक गढ़े हैं बल्कि सकारात्मक राजनीति को नये आयाम दिये हैं। हार का कारण स्वयं को मानने एवं जीत का श्रेय पार्टी एवं सहयोगी दलों को देने की विराट सोच रखने वाले फडणवीस को अब भाजपा के शीर्ष नेताओं में शुमार किया जाने लगा है। फडणवीस ने राजनीति के चाणक्यों के चक्रव्यूहों को कुछ ऐसा भेदा कि लोग उन्हें आधुनिक अभिमन्यु भी कहने लगे। बात सही भी है फडणवीस अब किसी चक्रव्यूह में फंसते नहीं बल्कि उसे भेदकर बाहर निकलते हैं। सामने कोई भी हो शह और मात के खेल में उनकी जीत अब गारंटी बन चुकी है। वे भाजपा के लिए चाणक्य हैं तो विपक्ष के लिए अबूझ पहेली। पिछले एक दशक से महाराष्ट्र की राजनीति उनके ही इर्द-गिर्द घूम रही है। ऐसे कद्दावर राजनेता के नेतृत्व में निश्चित ही अगली पारी सफल होने वाली है। बावजूद इसके विशाल बहुमत वाली इस सरकार के मुखिया के तौर पर फडणवीस की यह पारी किसी भी रूप में कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। फिर भी महाराष्ट्र को राजनीतिक स्थिरता और विकास के नए दौर में ले जाने की जिम्मेदारी निभाते हुए वह हर चुनौती के पार जायेंगे, लोगों ने उनकी पार्टी और सहयोगी दलों पर जो भरोसा जताया है, महायुति सरकार उनकी उम्मीदें पूरी करके एक नये इतिहास का सृजन करेंगी, इसमें कोई शंका दूर तक नजर नहीं आती।
तीसरी बार मुख्यमंत्री का ताज पहनने वाले देवेंद्र फडणवीस ने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, दूरदर्शी नायक एवं महाराष्ट्र-निर्माता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को

जन-जन के हृदय में स्थापित कर अनेक राजनीतिक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। फडणवीस यह नाम महाराष्ट्र राजनीतिक इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये महाराष्ट्र के निर्माता, कुशल प्रशासक के साथ-साथ राजनीति को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग हैं, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, प्रशासक और राजनेता हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। महाराष्ट्र राजनीति की एक खास स्थिति जहां सहयोगी दलों की आकांक्षाओं का ध्यान रखने और उन्हें यथासंभव संतुष्ट रखने की जरूरत से जुड़ी चुनौती है वहीं आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में महायुति से जुड़े दलों पर बेहतर प्रदर्शन की बड़ी जिम्मेदारी है। हालांकि पहली चुनौती मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे को संतोषजनक ढंग से निपटाने की है। एक बड़ी चुनौती महाराष्ट्र में भाजपा की ताकत को बलशाली बनाने की भी है। इन सब चुनौतियों एवं परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाने एवं उनसे पार पाने की क्षमता फडणवीस में दिखती है। जो व्यक्ति 2022 में एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री की बजाय उपमुख्यमंत्री की भूमिका मंजूर कर लेता है, पद से ज्यादा पार्टी हित को सामने रखता है, विशिष्ट परिस्थितियों में पार्टी के आग्रह पर न केवल सरकार का सुचारू संचालन सुनिश्चित करता है बल्कि चुनाव में पार्टी की अगुआई करते हुए उसे शानदार जीत भी दिलाता है, तो उन्हें मुख्यमंत्री की भूमिका सौंपी जा रही है तो अपनी पात्रता तो वह पहले ही अच्छी तरह सिद्ध कर चुके हैं, अब तो शासन के नये मानक गढ़ने है।
यह स्पष्ट है कि देवेंद्र फडणवीस के राजनीतिक जीवन के नए दौर की शुरुआत संभावनाभरी है। भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने अपने भाषण में हिंदवी स्वराज से लेकर अहिल्याबाई होलकर का नाम लेकर अपनी राजनीतिक धारा को बिल्कुल स्पष्ट किया। चुनाव प्रचार के दौरान भी उनकी छवि आत्मविश्वास से भरे हिंदुत्ववादी शुद्ध स्वयंसेवक भाजपा नेता की बनी। उन्होंने कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं और उनको समर्थन देने वाले महाविकास आघाड़ी के विरुद्ध लगातार प्रखर प्रहार से अपनी छवि वर्तमान राजनीतिक धारा के अनुरूप बनाई। चुनाव के समय लगा था कि एक हैं तो सेफ हैं और बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर महायुति में मतभेद के बावजूद उन्होंने गजब का संतुलन बनाते हुए इन नारों के बल पर महायुति की जीत को उच्च शिखर देकर सबको आश्चर्यचकित किया। महायुति सरकार की नई पारी पिछली पारी जैसी सहजता और स्थिरता दिखा पाएगी या नहीं यह सवाल तो खड़ा ही है, लेकिन इस सवाल को नकारते हुए नयी सरकार अपना पूरा कार्यकाल उतार-चढ़ाव के बावजूद निष्कंटक पार करेगी। दो पुरानी और सुगठित राजनीतिक पार्टियों में हुई असाधारण तोड़फोड़ के परिणास्वरूप बनी महायुति ने हालांकि 2024 विधानसभा चुनावों में अपनी सार्थकता सिद्ध कर दी है और इसलिए अब इसे किसी भी रूप में कृत्रिम गठबंधन नहीं कहा जा सकता। फिर भी नए मुख्यमंत्री और भाजपा नेतृत्व को सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने और किसी भी असंतोष से बचने पर खास ध्यान देना होगा।

दृश्टि कोण

कम नहीं हैं दुश्वारियां, नई दिशा की जरूरत

हिमाचल प्रदेश को प्रकृति ने भरपूर प्राकृतिक सुंदरता, स्वच्छ जल, जंगल, पहाड़, नदियों और स्वच्छ परिवेश से नवाजा है। हिमाचल प्रदेश में पर्यटन से रोजगार की अपार संभावनाएं हैं जिसके लिए प्रदेश में पिछले 50 वर्षों से इस दिशा में सभी सरकारें प्रयासरत रहती आई हैं। हिमाचल के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन का 7.5 फीसदी योगदान है, इसमें बढ़ोतरी की दरकार है। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विभाग के पास इस समय कुल 4662 होटल और 4146 होमस्टे पंजीकृत हैं। पंजीकृत गाइड्स की संख्या 1314 और ट्रैवल एजेंसियों की संख्या 3297 है। वर्तमान समय में हिमाचल के होटलों में 154448 बिस्तरों की व्यवस्था है। वर्ष 2023 में हिमाचल प्रदेश में 15942118 भारतीय पर्यटक आए थे, जबकि 62806 विदेशी पर्यटकों ने भी हिमाचल की प्रकृति एवं वादियों को निहारा। इस प्रकार 2023 में हिमाचल प्रदेश में कुल 16004924 पर्यटक आए थे। इस साल दिसंबर 2024 तक हिमाचल प्रदेश में 1.16 करोड़ से ज्यादा पर्यटक आ चुके हैं। इनमें से 49523 पर्यटक विदेश से आए हैं। इस हिसाब से, साल 2024 में हिमाचल आने वाले पर्यटकों का आंकड़ा मार्च 2025 तक दो करोड़ पार करने की उम्मीद है। सुक्खू सरकार ने पर्यटकों के आंकड़े को पांच करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। पिछले दो महीनों से हिमाचल प्रदेश में पर्यटन विस्तार के दृष्टिकोण से कुछ अच्छी खबरें सुनने को नहीं मिल रही हैं। एक तो हिमाचल प्रदेश को टूरिज्म सेक्टर में बड़ा झटका लगा है। केंद्र ने स्पेशल असिस्टेंट टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट स्कीम के तहत 23 राज्यों को 3296 करोड़ जारी किए हैं, लेकिन इसमें हिमाचल प्रदेश का नाम ही नहीं है। इस पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपने फेसबुक वॉल पर लिखा है कि केंद्र सरकार की भेदभावपूर्ण राजनीति ने हिमाचल की जनता को एक बार फिर शिकार बनाया है। उनके अनुसार केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश के विकास की यात्रा को अवरुद्ध करने की कोशिशें कर रही है। दूसरे हिमाचल सरकार ने पर्यटन निगम के घाटे में चल रहे कुछ होटलों को लेकर पूर्व आईएएस अधिकारी तरुण श्रीधर की एक सदस्यीय कमेटी गठित की थी, ताकि निगम के होटलों को लेकर छह महीनों में कमेटी की सिफारिशों की रोशनी में कुछ सुधार किया जा सके, परंतु तरुण श्रीधर ने मात्र एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रदेश सरकार को सौंप दी है। पर्यटन विकास निगम के कुल 56 होटल चल रहे हैं, लेकिन ज्यादातर होटल घाटे में हैं। इससे निगम अपने कर्मचारियों की सैलरी और पेंशनर को पेंशन नहीं दे पा रहा है। पेंशनर के सेवा लाभ का मामला भी कोर्ट में विचाराधीन है। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने घाटे के होटल बंद करने का फैसला सुनाया था और वहां के स्टाफ को दूसरे होटलों में शिफ्ट करने के लिए आदेश दिए थे। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा हिमाचल हाईकोर्ट की डबल बेंच में पुनर्विचार याचिका दायर करने के बाद अब सभी होटलों को 31 मार्च तक चलाने की समय सीमा निर्धारित की गई है। भारतवर्ष के लगभग सभी राज्यों में टूरिज्म विभाग के अधीन पर्यटन होटल चलाए जा रहे हैं। आम तौर पर पर्यटन निगम के होटलों के पास पर्याप्त खुली जमीन होती है, सेवाएं अच्छी और स्टाफ विनम्र होता है। हिमाचल प्रदेश के पर्यटन निगम को सिर्फ ऑक्यूपेंसी से ही होटलों की कमाई नहीं हो रही है, बल्कि बैंक्वेट हॉल, कैफे, रेस्टोरेंट और एंट्री फीस से भी करोड़ों की कमाई होती है। इतना ही नहीं, हिमाचल में रेड डी हिमालया, माउंटेन बाइकिंग, रिवर राफ्टिंग और बीड़ बिलिंग में पैराग्लाइडिंग जैसे साहसिक खेल पर्यटन से यहां के युवाओं को स्थायी रोजगार के विकल्प भी मिले हैं। आधुनिक युग में जबसे आवागमन के संसाधनों और लोगों के आर्थिक स्तर में वृद्धि हुई है, तो पर्यटन के आयाम ही बदल गए हैं। गैलप इंटरनेशनल की ताजा सर्वे रिपोर्ट में बताया गया है कि सुरक्षित देशों की सालाना सूची में भारत 29वें नंबर पर है, जबकि पिछले साल भारत की रैंकिंग 63वीं थी, यानी सुरक्षा मानकों के लिहाज से हमारे देश ने 34 पायदानों की लम्बी छलांग लगाई है। सिंगापुर लगातार दूसरे साल भी सबसे सुरक्षित देश है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) द्वारा प्रकाशित यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक (टीटीडीआई) 2024 रिपोर्ट के अनुसार भारत पसंदीदा पर्यटन गंतव्य यात्राओं की 119 देशों की सूची में 39वें स्थान पर है। हिमाचल प्रदेश पर्वतीय प्रदेश है और यहां की भौगोलिक परिस्थितियां औद्योगिक विस्तार एवं प्रगति की राह में कहीं न कहीं आड़े आती हैं, लेकिन पर्यटन एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जो न केवल हिमाचल की आर्थिकी को सम्बल देता है, बल्कि हमारे युवाओं के लिए रोजगार के रास्ते भी खोलता है। पर्यटन की राह में कुछ दुश्वारियां भी हैं, मसलन अतिक्रमण की मार के कारण तंग गलियां एवं सडक़ें जहां नियमित रूप से लगने वाले ट्रैफिक जाम को आमंत्रित करते हैं, तो वहीं पार्किंग की सुविधाएं न होना भी खलता है। कई बार बाहरी सैलानियों की हुड़दंगबाजी के किस्से कहानियां अखबारों की सुर्खियां बनती हैं तो कई दफा शरारती एवं शराबी तत्वों द्वारा पर्यटक वाहनों के साथ तोडफ़ोड़ की घटनाएं पर्यटकों के दिलों में भय उत्पन्न करती हैं। ऐसे में पर्यटक स्थलों पर सैलानियों और स्थानीय लोगों के मन में सुरक्षा की भावना का संचार करने के लिए हथियारबंद पुलिस कर्मियों एवं पुलिस की नियमित गश्त की व्यवस्था होनी चाहिए। हिमाचल प्रदेश सरकार में पिछले कई वर्षों से किसी पर्यटन मंत्री का न होना भी आश्चर्य का विषय है।

कुछ अलग

कार्य संस्कृति की तलाश

देश के नवनिर्माण के लिए मेहनत का कोई अर्थ नहीं रह गया है। यह बात पिछले दिनों कुछ इस प्रकार स्पष्ट हो गई, कि निरंतर मेहनत करने वालों के माथे का पसीना भी शर्मिन्दा हो गया। जब नए चुनावों की दुंदुभि बजती है, तो लगता है वक्त बदलने या युग पलटने का मौसम आ गया। सत्ता के शहसवार कभी रुखसत लेने के लिए तैयार नहीं होते। उन्हें लगता है उनके बाप-दादा जब अपनी राजनीतिक विरासत उन्हें सौंप गए, तो उसे अपनी तिजोरी में बंद करके रखना ही उनका परम धर्म है। धीरे-धीरे यह विरासत देश के उन दस प्रतिशत लोगों के पास सिमट गई, जिनके पास देश की सम्पदा पर अधिकार का हुक्मनामा है। चुनाव लडऩा अमीर करोड़पतियों का महंगा शौक हो गया, इसलिए देश की 90 प्रतिशत जनता चुनावी अखाड़े से छिटक कर दर्शक दीर्घा तक सिमट गई। उन्हें तो अब मेहनती नारे लगाने की आदत भी हो गई है। मेहनत का यही अर्थ मिला उन्हें। नारा लगता है 'नेता जी संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ हैं।' भला कैसा है यह संघर्ष, कि जिसकी मेहनत का संदेश इन चुनावी योद्धाओं को मिला है। पहला संदेश तो यही है कि भाई जान, अब सडक़ों पर आकर वोटरों से उनके वोट मांगने का समय आ गया। पिछले पांच बरस के अपने शासन में उन्हें 'परसू परसा और परसराम' बनने की इच्छा तो होती रही। वे लखपति से करोड़पति और करोड़पति से अरबपति हो जाने के चक्रव्यूह तोड़ते रहे। जब राजनीति के अखाड़े में उतरे थे तो साइकिलपति थे, अब मर्सिडीज से कम पर चलते हुए उनकी तबीयत बिगड़ जाती है। पहले सडक़ पर जीते हुए अपने बिना दीवारों के घर पर छत डालने का असंभव सपना वह देखते थे, आज अपने भव्य प्रसाद में उन्हें घुटन महसूस होती है । चांद पर घर बसाने के बारे में वह गम्भीरता से सोच रहे हैं। लेकिन मखमली बिस्तर पर ऊंघती नींद में यह व्यवधान कैसे आ गया। केवल भाषण से, जुमलों से बात चलाने, काम होते जाने का एहसास देने की आदत हो गई है उन्हें। अब कुर्सी से उतर पैरों को जुम्बिश देनी होगी। वोटरों को कृपानिधान कह कर उनकी भूली गलियों का चेहरा पहचानने की मेहनत करनी होगी। 'भय्या' कह कर इस तंग उतरी चौखटों को फिर अपना मान माथे से लगाना होगा। चार दिन की चांदनी जो अब मतदान दिवस तक यहां रचती है, उन्हें अपने स्वप्नजीवी शिलान्यासों से अलंकृत करना होगा। समस्या को सुलझने दो, परेशान लोग दो धुरवों में बंट कर वोट कर देंगे। लेकिन लोग अब इन बातों से आलोड़ित नहीं होते। सीधा रास्ता पकडऩे से पहले जरूरी है जिंदगी को जीना, पेट को भरना, खाली हाथों को काम देना। भुगतान के बोझ से चरमराते अपने बजट के नख-शिख को संवारना। इसलिए इस उलझे मामले पर सफाई से पहले जरूरी लगा, पेट में दो रोटी का जुगाड़। सही बात थी। यह मांग तो बहुत पहले हो जानी चाहिए थी कि रोटी-रोजी दे न सके तो वह सरकार निकम्मी है, जो सरकार निकम्मी है वह सरकार बदलनी है। लेकिन इससे पहले कि यह आत्म ज्ञान शिद्दत से वोट देने वालों में उभरता, चुनाव सिद्धहस्त मार्गदर्शकों ने स्वयं एक नया नारा दे दिया, 'वोट देना है तो हमारा काम देख कर दो, उम्मीदवारों की चिकनी चुपड़ी बातें सुन कर नहीं।' अब काम तो भई काम होता है। चाहे हजारों यूनिट बिजली के बिलों में कुछ सैंकड़े यूनिट बिजली की माफ करो। स्कूलों के द्वार खुलने और बच्चों के पहाड़े रटने की आवाज पैदा कर दो। महंगी दवा-दारू के माहौल में बंद सरकारी डिस्पैंसरियां खोल मुफ्त दवाएं बांटने का शुबहा पैदा कर दो। काम होते-होते, रियायतों के भंवरजाल में उलझ गया। लोगों के लिए राहत देने के अंबार खड़े करने के वायदों की बारात निकलने लगी।

देश दुनीया से

ईमानदार कोशिश हो बांग्लादेश संकट समाधान की

अगरतला स्थित बांग्लादेश वाणिज्य दूतावास पर तोड़फोड़ की घटना ने तूल पकड़ लिया है। दूतावास परिसर में प्रदर्शन, गेट तोड़ने, और झंडे का अपमान कोई भी सभ्य समाज नहीं सराहेगा। पीटीआई के अनुसार, '2 दिसंबर को अगरतला में बांग्लादेश मिशन के परिसर में कथित तौर पर 50 से अधिक प्रदर्शनकारियों ने प्रवेश किया, जिससे परिसर में मौजूद लोगों में चिंता पैदा हो गई। यह रैली विश्व हिंदू परिषद से संबद्ध हिंदू संघर्ष समिति के बैनर तले निकाली गई। चिन्मय कृष्ण ब्रह्मचारी की रिहाई, और हिन्दुओं की सुरक्षा जैसी मांगों को लेकर अगरतला में बांग्लादेश के सहायक उच्चायुक्त आरिफ मोहम्मद को एक ज्ञापन सौंपा गया।' पीटीआई की रिपोर्ट से लगा नहीं, कि तोड़फोड़ की कोई घटना हुई। जब ऐसा कुछ हुआ नहीं, तो 13 लोगों की गिरफ्तारी, असिस्टेंट कमांडेंट और तीन सब इंस्पेक्टर सस्पेंड क्यों हुए, और इसके प्रकारांतर भारतीय विदेश मंत्रालय को खेद क्यों प्रकट करना पड़ा ? विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, 'अगरतला में बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग में परिसर में घुसपैठ की घटना बेहद खेदजनक है। भारत सरकार नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग और देश के अन्य मिशनों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कार्रवाई कर रही है।' बांग्लादेश इस खेद प्रकाश से शांत नहीं हुआ है। ढाका में भारतीय उच्चायुक्त को बुलाकर विरोध जताना और अगरतला स्थित बांग्लादेश मिशन को बंद कर, इस चिंगारी को भड़काने की कवायद शुरू हो गई है। बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रूहुल कबीर रिजवी ने अंतरिम सरकार से आग्रह किया कि वह अगरतला स्थित बांग्लादेश मिशन की सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति सेना से सहायता मांगे। ऐसा लगता है, मानो उन्हें हमारी ओर से एक ग़लती होने का इंतज़ार था। लेकिन कोलकाता में जो कुछ हो रहा है, उससे दोनों मुल्कों में डैमेज कंट्रोल की बात बेमानी हो गई। क्या बांग्लादेशी मरीज़ों का इलाज रोकना मानवाधिकार हनन की श्रेणी में नहीं आता है ? बांग्लादेश में सूचना-प्रसारण प्रभार एक ऐसे छात्र नेता के हाथों में है, जो शेख हसीना को देश से भगाने की श्लाघा को पचा नहीं पा रहा है। नाहिद इस्लाम लगातार भारत पर निशाना साधते रहे हैं, कि वह 'विभाजनकारी राजनीति और बांग्लादेश विरोधी बयानबाजी में लगा हुआ है। भारत का सत्तारूढ़ वर्ग अल्पसंख्यक विरोधी है।' नाहिद में नकारात्मकता इतनी ज्यादा है, कि ऐसे शख्स से डैमेज कंट्रोल की आशा नहीं की जा सकती। लेकिन, क्या बांग्लादेश का मीडिया सहनशील, और संयमित है ? क्या फ़र्जी ख़बरें वहां प्लांट नहीं की जा रहीं ? पत्रकार यदि बहुसंख्यक की तानाशाही के विरुद्ध रिपोर्ट लिखें, देखिये उनका क्या हाल होता है। गुलाम रब्बानी नदीम इस साल बांग्लादेश में मारे जाने वाले दूसरे पत्रकार हैं। बांग्लादेश में ब्लॉगर्स की हत्या तो अनगिनत है। पत्रकारों को चुप कराने के लिए 'डिजिटल सुरक्षा कानून-2018' है, जिसके तहत 14 साल तक की जेल हो सकती है। इसलिए, संपादक कारावास या अपने मीडिया आउटलेट के बंद होने का जोखिम उठाने से हिचकते हैं। बांग्लादेश में सिस्टम के खिलाफ कितनी रिपोर्टें छपती हैं ? आप डेली स्टार, और दूसरे अख़बारों की रिपोर्टिंग का आकलन कर लीजिये। यही अखबार भारतीय मीडिया पर सवाल उठाकर अपना 'नंबर' बना रहे हैं। बांग्लादेश में प्रेस की आज़ादी, 'रिपोर्ट्स विदाउट बॉर्डर' की हालिया रिपोर्ट में देख सकते हैं। 2024 के सूचकांक में 165वें पोज़शिन पर है बांग्लादेश। भारत उससे छह क़दम पीछे, 159वें पायदान पर है। श्रीलंका 150वें, दक्षिण एशिया में सबसे बदतर अफ़ग़ानिस्तान 178वें स्थान पर, नेपाल सबसे बेहतर 74वें स्थान पर दिखता है। 'द डेली स्टार' लगातार भारतीय मीडिया पर सवाल उठा रहा है। सही है, उठाना भी चाहिए। लेकिन, खुद के बहत्तर छेद भी पहले बांग्लादेशी मीडिया को देख लेना चाहिए। इससे हो यही रहा है, कि दोनों देश एक अघोषित मीडिया वॉर में फंस चुके हैं। आगे यह कितना विकृत रूप लेगा, कहना कठिन है। अगस्त, 2020 में अमेरिका के मेरीलैंड यूनिवर्सिटी ने बांग्लादेश में फ़र्जी सूचना देने वाले मीडिया पर एक शोध कराया। शोध पत्र दिलचस्प है। लिखा है, 'सरकार के खिलाफ इन्वेस्टिगेशन करने की हिम्मत पत्रकार नहीं करते। नेता गलत सूचना और नफरत भरे भाषणों को फैलाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग कर रहे हैं। भारत और म्यांमार, बांग्लादेश के बीच एक सामान्य आयाम, धर्म है। बांग्लादेश : इस्लाम 90 फीसद, भारत : हिंदू धर्म 80 प्रतिशत, म्यांमार : बौद्ध धर्म 88 प्रतिशत। इन सभी देशों में, धार्मिक अल्पसंख्यक अक्सर गलत सूचनाओं की वजह से टारगेट किये जाते हैं।' चार साल में वो स्थिति बदली नहीं है। बल्कि, और बदतर हुई है। 2017 में 'फैक्ट वॉच' की शुरुआत बांग्लादेश के लिबरल आर्ट्स विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन और पत्रकारिता विभाग की पहल के रूप में हुई, जिसे ढाका स्थित अमेरिकन सेंटर से अनुदान मिला। बांग्लादेश का मीडिया कहां ठहरता है, केवल फैक्ट वाच द्वारा दी जानकारी को ही देख लें। इस संस्था ने पाया कि बांग्लादेश में पुरानी सामग्री (फोटो/वीडियो/टेक्स्ट) का दुरुपयोग होता है। झूठे और भ्रामक दावे, चरित्र हनन, एंटीवैक्सीन अभियान, स्रोतों की पुष्टि किए बिना कॉपी-पेस्ट पत्रकारिता, सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने वाले काम सबसे अधिक किए जाते हैं। देश को संभाले हुए मोहम्मद यूनुस के 120 दिन पूरे हो रहे हैं। अर्थव्यवस्था जर्जर हो चुकी है। ये लोग जून, 2025 तक विश्व बैंक, आईएमएफ, ओपेक फंड से कुल 6 अरब डॉलर पाने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अंतरिम सरकार ने कहा है कि विदेशी मुद्रा भंडार पर मौजूदा दबाव को कम करने के लिए आईएमएफ से अतिरिक्त 3 बिलियन डॉलर का ऋण भी हमें चाहिए। बांग्लादेश से एफडीआई वाले हाथ खींच रहे हैं। 'कबीरा खड़ा बाज़ार में, लिये कटोरा हाथ' वाली स्थिति जारी रही, तो बांग्लादेश एक 'फेल्ड स्टेट' घोषित हो जायेगा।

आप का नजरीया

बौद्ध एवं तिब्बती सर्किट

जनजातीय विकास के महाकुंभ हर साल लगते हैं, मगर योजनाओं के घाट पर आशाएं कपड़े धोती मिलती हैं। अतीत में कई करिश्मे ऐसे भी हुए कि पांगी में जिम्नेजियम तैयार हो गया या हर साल बर्फ में दबी सिंचाई योजनाओं का सीजन विलुप्त हो गया, यानी कि उपयोगिता के इतर भी व्यय होता रहा। मानव संसाधन की दृष्टि से हिमाचल का जनजातीय समाज आज एक बेहतरीन जिंदगी, समृद्ध पृष्ठभूमि, प्रभावशाली व्यक्तित्व और अनुकरणीय ऊर्जा से सराबोर है, लेकिन ऐसी कुछ समानांतर रेखाओं पर भौगोलिक व आर्थिक असमानताओं के बीच खड़े अन्य कई लोग ट्राइबल अधिकारों को तरस रहे हैं। कांगड़ा का बड़ा भंगाल, शिमला का डोडराक्वार और घोषित सिरमौर का गिरिपार क्षेत्र अपनी विडंबनाओं के बावजूद जनजातीय अधिकारों का अलाव नहीं जला पा रहे हैं। खैर बजट आबंटन व आरक्षण के विशेषाधिकार के सूत्र से लिपटे कबायली इलाके हिमाचल की आभा में खासा आकर्षण इसलिए भी पैदा करते हैं, क्योंकि संस्कृति के कई स्रोत आज भी अक्षुण्ण हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू अगर ट्राइबल एरिया में बौद्ध सर्किट चलाने का इरादा रखते हैं, तो यह हाई एंड पर्यटन का एक पक्का ठौर और हिमाचल के आकर्षण का सांगोपांग वर्णन भी होगा। हमने इस संदर्भ में इन्हीं कालमों में बार-बार तिब्बती-बौद्ध पर्यटन तथा कबायली पर्यटन के अंतरराष्ट्रीय महत्त्व व हाई एंड टूरिज्म की संभावना में सर्किट बनाने व बसाने की दलीलें दीं, लेकिन पर्यटन के घाट पर राजनीतिक फरमाइशें कहां सोचने का अवसर देती हैं। ऐसे में अगर मुख्यमंत्री सुक्खू सोच रहे हैं, तो यह हिमाचल के पर्यटन का एक और क्षमतावान दरवाजा खुल रहा है। इससे पूर्व पर्यटन की क्षमता में कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार, झीलों की जल क्षमता पर आधारित पर्यटन और अब ट्राइबल व बौद्ध पर्यटन की दिशा में पल्लवित होते इरादे पूरे उद्योग को एक नई दिशा दे सकते हैं। हमें बौद्ध पर्यटन को समझने के लिए दो स्रोत मिलते हैं और इसकी पूर्णता के लिए पारंपरिक मठों व आधुनिक तिब्बती मठों को जोडऩा पड़ेगा, यानी महामहिम दलाई लामा की उपस्थिति से अगर बौद्ध गया व लेह तक काल चक्र व आध्यात्मिक सवेरा हो सकता है, तो यही किरणें धर्मशाला से निकल कर मनाली व उससे आगे लाहुल-स्पीति के ऐतिहासिक महत्त्व में प्रकाशमान हो सकती हैं। कहना न होगा कि दलाई लामा के कारण अंतरराष्ट्रीय बिरादरी ने बौद्ध धर्म की जीवंतता और जीवन की शरण भारत में देखी, लेकिन हिमाचल इस आभा के केंद्र में खुद का संबल नहीं खोज पाया। हम किसी शहर की तंग गलियों में तिब्बती मार्किट या तिब्बती-चाइनीज व्यंजनों की परिभाषा में चंद सिक्के उछालते रहे, जबकि महामहिम की अंतरराष्ट्रीय ख्याति के साक्षी बनकर धर्मशाला से मनाली तक कई तोरणद्वार सजाकर पर्यटन का स्तर ऊंचा कर सकते थे। बेशक 'मोमो' नामकरण ने मकलोडगंज में जन्म लिया और पहली बार भारत का ऐसे व्यंजनों से साक्षात्कार यहीं हुआ, लेकिन न हमारी सरकारों और न ही योजनाओं ने अंदाजा लगाया कि मकलोडगंज में आए बौद्ध संप्रदाय के पुण्य को ट्राइबल बौद्ध संस्कृति के संगम से जोड़ दिया जाए।

थानाधिकारी ने मंत्री किरोड़ी लाल के खिलाफ रोजनामचे में डाली रपट

जयपुर (हिंस)। महेश नगर थाना पुलिस ने कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के खिलाफ रोजनामचा में रिपोर्ट डाली है। इसमें मंत्री पर राजकार्य में बाधा डालने का आरोप लगाया गया है। मंगलवार देर रात के घटनाक्रम में रिपोर्ट डालने के बाद सीनियर अधिकारियों को भी इसकी जानकारी दी गई है। गौरतलब है कि महेश नगर थाने के महावीर नगर में किरोड़ीलाल मीणा और महेश नगर सीआई कविता शर्मा के बीच विवाद हो गया था। मंत्री के महिला इंस्पेक्टर पर भड़कने का एक वीडियो भी सामने आया था। इसमें मंत्री सीआई से जबरन एक मकान में घुसने और एक लड़की करे पुलिस की गाड़ी में बैठाने को लेकर सवाल कर रहे हैं। उन्होंने एसआई भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग करने वाले छात्र नेताओं के घर जाकर उनके परिवार, माता-पिता को परेशान करने का आरोप लगाया। वहीं बुधवार सुबह किरोड़ीलाल मीणा इस पूरे मामले की शिकायत लेकर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम से मिलकर सीआई पर भी फर्जी तरीके से नौकरी हासिल करने का आरोप लगाया। सीआई ने रिपोर्ट में बताया कि अधिकारियों के कहने पर कार्रवाई करने गई थी। इसी दौरान मंत्री किरोड़ीलाल मीणा भी मौके पर पहुंच गए। मंत्री ने कहा कि यह मेरा आदमी है। तुम यहां क्यों आई हो। मैं तुम्हारे खिलाफ केस दर्ज करवाऊंगा। अधिकारियों को स्थिति की जानकारी देकर वहां से पुलिस टीम के साथ लौटने लगी, तभी मंत्री के साथ आए लड़कों ने पुलिस गाड़ी में बैठी एक लड़की को नीचे उतार लिया और साथ ले गए। मंत्री के साथ आए लोगों ने इसका वीडियो भी बनाया, जिसे बाद में सोशल मीडिया पर शेयर किया गया। छात्र नेता विकास विधूड़ी को लेकर गृह राज्यमंत्री से मिले थे। विधूड़ी के घर ही सीआई कविता शर्मा के साथ उनका विवाद हुआ था। विधूड़ी ने पुलिस पर उसे परेशान करने का आरोप लगाया था। पूरे मामले को लेकर मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि सीआई कविता शर्मा गलत तरीके से सर्विस में आई हैं। इसे लेकर उनके पास पुख्ता सबूत हैं। मंत्री मीणा सीआई के खिलाफ कुछ सबूत सरकार और मीडिया के सामने रख सकते है। इसको लेकर मंत्री ने बेढ़म के आवास पर दावा किया था।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में अलवर में निकाली जनाक्रोश रैली

अलवर (हिंस)। सर्व हिंदू समाज के लोगों ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार के खिलाफ रैली निकालकर आक्रोश प्रदर्शन किया। रैली में शामिल हिंदू संगठन के लोगों ने अपनी मांगों के समर्थन में जिला प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा। आक्रोषित लोगों ने बांग्लादेश सरकार के खिलाफ जमकर नारे भी लगाए। वही प्रदर्शन में शामिल हिंदू संगठन से जुड़े लोगों की मांग है कि केंद्र सरकार बांग्लादेश सरकार पर दबाव डाले। वहां रह रहे हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर वहां की सरकार से बात करे। वही केंद्र सरकार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी भूमिका को बढ़ाते हुए बांग्लादेश पर दबाव बनवाए। दरअसल बांग्लादेश में इस्कॉन मंदिर के पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद हिंदू समाज लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहा है। रैली जय कंपलेक्स से शुरू होकर, काशीराम सर्किल होते हुए पंसारी बाजार, होपसर्कस, बजाजा बाजार होते हुए सुभाष चौक होते हुए जगन्नाथ मंदिर पहुंची। रैली को देखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से बड़ी संख्या में रैली के आगे पीछे पुलिस जाप्ता तैनात रहा। पुलिस के अधिकारी लवाजमे के साथ पैदल आगे पीछे चल रहे थे। रैली को देखते हुए रोड भी डायवर्ट करना पड़ा।

लिव इन रिलेशनशिप समाज के लिए एक अभिशाप : चेयरपर्सन रेणु भाटिया

पलवल (हिंस)। अभिभावक अपनी संतान को अच्छे संस्कार देकर पूर्ण रूप से संस्कारवान बनाएं, ताकि वे एक अच्छे समाज के निमार्ण के भागी बनें। बुजुर्ग व महिलाओं का आदर सम्मान करें। हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने गुरुवार को जिला सचिवालय के तृतीय तल पर स्थित पुलिस सभागार में पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को सुनते हुए सभी से आह्वान कर रहीं थीं। उन्होंने समाज के बुजुर्गों से अपील करते हुए कहा कि पुराने समय से चली आ रही एक परिवार में दो बेटियों के विवाह करने की प्रथा में बदलाव करने की आवश्यकता है। आज के युग में बेटियों पर अत्याचार को रोकने के लिए यह कदम जरूरी है। बेटियों की अच्छी परवरिश करके उन्हें संस्कारवान बनाएं, शिक्षा पूरी करवाकर उन्हें स्वाबलंबी बनाए। चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने कहा कि हमें अपनी पारंपरिक परंपरा को समझना चाहिए। इस बैठक से पूर्व उन्होंने डा. भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय का औचक निरीक्षण किया तथा मौके पर अनुपस्थित पाए अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के मान सम्मान व उनके अधिकारों के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। यदि महिलाओं को कोई परेशानी आती है तो हरियाणा महिला आयोग हर समय उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए हरियाणा महिला आयोग पूरी तरह से सजग है और किसी भी रूप से महिला अत्याचार को सहन नहीं किया जा रहा है। हर महिला की परेशानी को समझते हुए उसका समाधान सुनिश्चित करने में हरियाणा महिला आयोग अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। वहीं एक अन्य शिकायत में पीड़ित महिला को स्वालंबी बनाने के लिए आयोग की ओर से ब्यूटी पार्लर का कोर्स करवाने और अपना कार्य शुरू करने के लिए ऋण मुहैया करवाने की भी बता कही। इसके अतिरिक्त नाम व धर्म बदलकर विवाह करने की महिला की शिकायत पर उन्होंने संबंधित व्यक्ति को तुरंत प्रभाव से गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिला आयोग की नोटिस पर न आने वाले व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस सख्त रवैया अपनाते हुए कार्रवाई अमल में लाएं।

किसानों को एमएसपी देने का वादा पूरा करे भाजपा : हुड्डा

चंडीगढ़(हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि भाजपा किसानों को बिजाई के समय डीएपी, सिंचाई के समय यूरिया और कटाई के समय एमएसपी देने में हमेशा नाकाम साबित हुई है। यही वजह है कि बार-बार अपनी मांगों को लेकर किसानों को आंदोलन करना पड़ता है। सरकार किसानों की मांगों को नजरअंदाज कर रही है। पिछली बार आंदोलन खत्म करवाते हुए सरकार ने एमएसपी के लिए बाकायदा एक कमेटी बनाने का एलान किया था। उन्होंने कहा कि इतना लम्बा समय बीत जाने के बाद भी किसानों के हाथ खाली हैं और वह सरकार को उसका वादा याद दिलाने के लिए दिल्ली जाना चाहते हैं। वे गुरुवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी को प्रजातंत्र में शांतिपूर्ण तरीके से कहीं भी आने-जाने या अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन भाजपा सरकार किसानों से यह अधिकार छीनना चाहती है। पूर्व सीएम ने कहा कि किसानों ने सरकार के बात मानते हुए बिना ट्रैक्टर-ट्राली के दिल्ली जाने की बात मान ली है।

भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, प्रसारण और संवर्धन की महती जरूरत : डॉ. ओम उपाध्याय

अजमेर (हिंस)। भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर), नई दिल्ली के सदस्य सचिव डॉ. ओम जी उपाध्याय ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और उसका प्रसार करने के लिए सक्रिय प्रयासों की महती जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत के विविध इतिहास को दस्तावेजित करने और बढ़ावा देने में भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद जैसे संगठनों की भूमिका को मजबूत किया जाना चाहिए। एनसीईआरटी और सीबीएसई जैसे शैक्षिक बोर्डों के साथ मिलकर पाठ्यक्रम में समृद्ध सांस्कृतिक सामग्री को एकीकृत करने और विशेष रूप से आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में कम ज्ञात परंपराओं और इतिहास के अनुसंधान और दस्तावेजीकरण को प्रोत्साहित करने में सहयोग किया जाना चाहिए। डॉ. ओम उपाध्याय गुरुवार को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में *कल्चरल नैशनलिज्म ऑफ भारत* विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, साझा परंपराओं, आध्यात्मिक लोकाचार और ऐतिहासिक निरंतरता के कारण राजनीतिक राष्ट्रवाद से अलग है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद भारत में विविध भाषाई, धार्मिक और क्षेत्रीय पहचानों के बीच एकता को बढ़ावा देने में सक्षम बनाता है। डॉ. उपाध्याय ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ऐतिहासिक कथाएं किस तरह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को आकार देती हैं। उन्होंने महत्वपूर्ण अवधियों और व्यक्तित्वों पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि गुप्त काल सांस्कृतिक एकीकरण और बौद्धिक प्रगति का स्वर्ण युग था। भक्ति आंदोलन, जिसने भक्ति और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के माध्यम से सामाजिक और क्षेत्रीय विभाजनों से परे लोगों को एकजुट किया। इतना ही नहीं उन्होंने स्वामी विवेकानंद के दर्शन, कन्याकुमारी में उनके ध्यान का उल्लेख किया, जो दक्षिण में मां कन्याकुमारी और उत्तर में भगवान शिव के बीच संबंध का प्रतीक है और धर्म और राष्ट्र की एकता के विचार ने राष्ट्रवाद को भक्ति और संस्कृति के बराबर बताया। उन्होंने भारत माता के विचार के माध्यम से सांस्कृतिक गौरव को जगाने के लिए बंकिम चंद्र चटर्जी के *आनंदमठ* जैसे कई साहित्यिक ग्रंथों का भी उल्लेख किया। उन्होंने दक्षिण-पूर्व एशियाई संस्कृतियों, विशेष रूप से कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस और थाईलैंड जैसे देशों में रामायण के प्रभाव का भी पता लगाया। उन्होंने दक्षिण कोरिया के भारत से संबंधों का उल्लेख किया, जिसमें रानी हियो ह्वांग-ओक ने अयोध्या से अपने वंश का पता लगाया। अंगकोर वाट कंबोडिया में भारत की सांस्कृतिक पहुंच का एक प्रमाण है। उन्होंने भारतीय बौद्धिक परंपराओं के खुलेपन की भी तुलना की, इसकी तुलना यूरोप द्वारा गैलीलियो और ब्रूनो जैसे लोगों के दमन से की। साथ ही प्राचीन भारत में महिलाओं की भूमिका के विषय मे रानी दुर्गावती से लेकर रानी लक्ष्मीबाई तक सभी युगों की महिलाओं का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव के वक्तव्य से हुआ जिसमें उन्होंने वर्तमान के वैश्वीकृत संदर्भ में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को समझने के महत्व, मातृभाषा के महत्व और राष्ट्रवाद के विकसित विचारों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में शिक्षकों, शोधार्थी और विद्यार्थियों ने भाग लिया। सत्र समापन के अवसर पर उपस्थित लोगों ने प्राचीन भारत में समावेश की प्रासंगिकता और इतिहास के प्राथमिक स्रोतों के प्रसार के लिए आईसीएचआर द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में व्यावहारिक प्रश्न पूछे। जवाब में डॉ. उपाध्याय ने बताया कि कैसे उनके संगठन ने विभिन्न अवधियों के लिए भारतीय इतिहास के प्राथमिक स्रोतों की एक व्यापक पुस्तक सफलतापूर्वक संकलित की है। अंत में अकादमिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. सीसी मंडल ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा डॉ. ओम उपाध्याय की बहुमूल्य अंतर्दृष्टि तथा इस सफल कार्यक्रम के आयोजन में शामिल सभी लोगो के प्रयासों की सराहना की।

धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर शासन की गाइडलाइन के अनुसार ही बजेंगे : पुलिस अधीक्षक

जौनपुर (हिंस)। जिले में धार्मिक और सार्वजनिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों और लाउडस्पीकरों के उपयोग को नियंत्रित करने के लिए गुरुवार की भोर में जौनपुर पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय पाल शर्मा ने पुलिस बल के साथ एक विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय पाल शर्मा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकरों और ध्वनि विस्तारक यंत्रों का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्र में यह कार्रवाई की। जहां कहीं भी ध्वनि विस्तारक यंत्र मानक के विपरीत पाए गए, उनकी आवाज को कम किया गया और अतिरिक्त लाउडस्पीकरों को हटाया गया। इस अभियान के दौरान धार्मिक स्थलों के जिम्मेदार व्यक्तियों को सख्त हिदायत दी गई कि वे ध्वनि मानकों का पालन करें। वहीं इस मामले में हिन्दुस्थान समाचार प्रतिनिधि से बात करते हुए पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह अभियान जिले में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाया जा रहा है। धार्मिक स्थलों पर ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। किसी भी दिशा में धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर शासन की गाइडलाइन के अनुसार ही लगेंगे। यदि कोई इसका पालन नहीं करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जन्म त्रिशताब्दी वर्ष समारोह 15 दिसंबर को

प्रयागराज (हिंस)। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जन्म त्रिशताब्दी वर्ष समारोह का आयोजन 15 दिसंबर को अपराह्न तीन बजे एमपी हाल, मोतीलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी, तेलियरगंज में किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सोनी होंगे। यह जानकारी गुरुवार को लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह समिति, प्रयागराज की संयोजिका डॉ. कीर्तिका अग्रवाल ने सिविल लाइंस स्थित वात्सल्य सभागार में पत्रकारों को दी। उन्होंने कहा कि आज की नई पीढी लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के बारे में जाने, इस उद्देश्य से यह आयोजन महत्वपूर्ण होगा। उनका जीवन भारतीय इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय है। उन्होंने तीस वर्षों तक इंदौर पर शासन किया। पूरे भारत में सैकड़ों मंदिरों और धर्मशालाओं का निर्माण किया। काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण एवं वाराणसी का गंगाघाट, गया का विष्णुपद मंदिर समेत नासिक, उज्जैन आदि में मंदिरों का निर्माण कराया। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के शासन काल में

प्रजा का समान रूप से आदर था। इसलिए अपने जीवनकाल में ही जनता इन्हें (देवी) मानने लगी थी। डॉ. कीर्तिका अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर समारोह समिति की राष्ट्रीय सचिव कैप्टन मीरा सिद्धार्थ दवे एवं कार्याध्यक्ष उदयराजे होलकर विशिष्ट अतिथि होंगे। अध्यक्षता समारोह समिति की अध्यक्ष चंद्रकला पाड़िया करेंगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले और संत चिन्मय रिहाई को ले हजारों लोग सड़कों पर

पूर्णिया (हिंस)। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद वहां के अल्पसंख्यक हिंदुओं, सिख, बौद्ध, जैन, ईसाईयों पर हो रहे हमलों के खिलाफ आज पूर्णिया में भारी आक्रोश दिखा। बांग्लादेशी हिंदू हित संघर्ष समिति पूर्णिया के संयोजक पवन कुमार पोद्दार ने प्रेस के माध्यम से बताया कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर वहां के चरमपंथियों द्वारा लगातार अत्याचार, हमले, हत्या, लुट, आगजनी, बलात्कार, मठ-मंदिर बिधंव्स, संपत्ति पर कब्जा, मानवाधिकार हनन के विरोध में आज पुर्णिया के सकल हिंदू समाज, साधु - संत, सभी हिंदू वादी संगठन के हजारों कार्यकर्ताओं एवं महिला-पुरुषों ने सड़क पर उतर कर आर एन साह चौक स्थित धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में शामिल होकर आक्रोश जताया। हजारों लोगों ने हाथ में स्लोगन लिखे तख्ती लिए बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने, हिंदू इस्कॉन संत चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई की मांग की। धरना प्रदर्शन में शामिल लोगों ने नारा लगाया - बंगलादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले बंद हो, मानवाधिकार हनन बंद हो, मठ-मंदिर बिधंव्स बंद हो, हिंदुओं पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं करेंगे, हम इंसाफ चाहते हैं, हर धर्म का सम्मान जरूरी, हिंदुओं पर हमला मानवता पर कलंक, बंगलादेश सुनो पुकार हिंदू समाज का करो सत्कार, धर्म के नाम पर हिंसा क्यों, हिंदू की रक्षा हमारी अपेक्षा, बंगलादेश न्याय दो, अत्याचार बंद करो, आदि। धरना प्रदर्शन स्थल से जिला अधिकारी पूर्णिया के कार्यालय जाकर भारत के राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के नाम संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी श्री कुन्दन कुमार को सौंपा गया। ज्ञापन समर्पित करने वाले शिष्टमंडल में कार्यक्रम संयोजक श्री पवन कुमार पोद्दार, सहसंयोजक श्री श्याम तापड़िया, श्री विरेन्द्र कुमार मेहता, श्री दीपक मंडल एवं श्री प्रफुल्ल रंजन वर्मा थे। ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से मांग की गई है कि बांग्लादेश में वहां के चरमपंथियों/इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा निर्दोष अल्पसंख्यक हिंदू, बौद्ध, जैन, सिख, ईसाईयों पर धर्म के आधार पर अत्याचार, हमले, हत्या, लूट, मानवाधिकार हनन, आगजनी मठ-मंदिर बिधंव्स तथा महिलाओं पर हो रहे अमानवीय अत्याचार अत्यंत चिंताजनक है जिसका हम सभी पूर्णिया एवं भारतवासी भर्त्सना एवं विरोध करते हैं। वर्तमान की बांग्लादेशी सरकार तथा अन्य एजेंसियां इसे रोकने के बजाए मुकदर्शक बनी हुई है। जिसे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। अपने मानवाधिकार की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे इस्कॉन के संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास को बंग्लादेश सरकार द्वारा जेल में डालना अन्यायपूर्ण है। इसलिए हम पूर्णिया जिलावासी राष्ट्रपति एवं भारत सरकार से मांग करते हैं कि हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार अविलंब बंद होने, कृष्ण चिन्मय कृष्ण दास को जेल से रिहा करने, अल्पसंख्यकों के मानवाधिकार की रक्षा करने, वैश्विक अभिमत बनाने तथा कट्टरपंथियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित हो।

देश के 25 विभूतियों को दिया गया देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद स्मृति सम्मान

सहरसा (हिंस)। देश के 25 विभूतियों को दिया गया देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद स्मृति सम्मान देश के 25 विभूतियों को एक भव्य समारोह में *देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद स्मृति सम्मान* दिया गया। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित गांधी शांति प्रतिष्ठान सभागार में ऑल इंडिया मानव समाज ट्रस्ट की ओर से देश के प्रथम राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के 140वें जयंती समारोह के शुभ अवसर आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य श्रीमती ममता कुमारी, चार्टर एकाउंटेंट राजीव जायसवाल एवं लोकनायक जय प्रकाश नारायण संस्थान के संस्थापक महासचिव अभय सिन्हा के हाथों यह सम्मान प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जाने माने वरिष्ठ पत्रकार डॉ. समरेन्द्र पाठक ने की। संस्था के प्रमुख हीरा लाल प्रधान ने आगंत अतिथियों का स्वागत करते हुए उनलोगों के प्रति आभार प्रकट

किया। जबकि, आगवानी संस्था के दिल्ली इकाई के प्रमुख रंजीत सिंह ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने डॉ. राजेंद्र बाबू के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। मौके पर दिल्ली दूरदर्शन के सुप्रसिद्ध गायक पं पुष्कर मिश्र के गजल, तबलाबादक उस्ताद सबीर हसन, गायिका सुश्री स्नेहा झा एवं नृत्यांगना श्रीमती पुष्पा ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों की जमकर तालियां बटोरी। सुप्रसिद्ध कवि पं.विमल मिश्र एवं कवियित्री श्रीमती पूनम झा सुधा एवं श्रीमती जयंती कुमारी ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी। जिन हस्तियों को यह सम्मान दिया गया। उनमें गुरुकुल कांगडी स्कूल हरिद्वार के प्राचार्य विजेंद्र शास्त्री, एमसीडी स्कूल लाजपत नगर दिल्ली के प्राचार्य श्रीनिवास तिवारी, उत्तर प्रदेश इटावा के शिक्षक ललित कुमार सक्सेना, लेक्चरर नवनीत द्विवेदी, कोच लैला परवीन, समाजसेवी सर्वश्री मो. असद रजा, तेज नारायण चौधरी एवं सनंत सिंह, समाजसेविका वर्षा सिंह, सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता कंचन लता झा, वरिष्ठ पत्रकार गांधी मिश्र गगन एवं अरुण कुमार शर्मा, टीबी अधिकारी दिल्ली विजेंद्र कुमार, योग शिक्षिका काजल चौधरी, डॉ. अरुण भंडारी, चिकित्सक डॉ. प्रखर रस्तोगी, जेआईटीएम के निदेशक मानव चौहान, विदेशी कंपनी की एक्सक्यूटिव इं. सुश्री समृद्धि पाठक, कवियित्री पूनम झा सुधा, गायिका सुश्री स्नेहा झा, फिल्म स्टार साहिल एवं तबलाबादक उस्ताद सबीर हसन शामिल हैं।

Walk-In-Interview

A Walk in interview will be held on 26-12-2024 at 11.30 A.M. onwards in the Office Chamber of the undersigned for selection of candidate to the post of National Emergency Life Support (NELS) Course Coordinator under the Central Sector Scheme "Human Resource Development for Emergency Medical Services (HRDEMS) at Silchar Medical College and Hospital Silchar. The selected candidate will be engaged on contractual basis for a period of 6 (six) months and may be extended for further period subject o satisfactory performance of the candidate.

Eligibility criteria

1. Minimum education criteria : Graduate in any health or allied fields,B.Sc/GNM Nursing-Preferable.
2. Experience in conduct of training workshops for medical personnel on life support skills under various BLS/ALS training under any National/State health programmee-Preferable.
3. Experience in maintenance and upkeep of premises, equipment and consumables for trainings of medical personnel on life support skills under various BLS/ALS trainings under any National/State health programme_Preferable.

Job description

1. Drawing up and implementation of NELS trainings (drawing up training calendars, making logistic and other arrangements for conduct of training workshops) at Skill Centre, under the overall guidance of the designated NELS Nodal Officer of the institute.
2. Regular inventory management and up keep of equipment, consumables etc. at the NELS Skill Centre.
3. Collection, verification and disbursement of bill/other approved claims by the trainees under the overall guidance of designated NELS Nodal Officer of the institute.
4. Prepare and submit draft quarterly progress (Physical and financial) reports to NELS Nodal Officer of the institute .
5. Any other Skill Centre related work as and when directed by the NELS Nodal Officer of the institute.

Remuneration

A consolidated monthly salary of Rs. 40,000/-(Rupees Forty Thousand Only) per month till 31st March 2026 or till the validity of contract agreement with the concerned college authorities.

Interested candidates may attend the Walk in interview with their resume, passport size photo, testimonials in support of educational qualification and experience .

Reporting Time

26-12-2024 at 11.30 A.M.

Principal cum Chief Superintendent
Silchar Medical College & Hospital
Silchar

--Janasanyog/D/9808/24/6-Dec-24

सर्राफा बाजार में सपाट कारोबार, सोने-चांदी के भाव में बदलाव नहीं

घरेलू सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार हो रहा है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना भी 77,930 रुपये से लेकर 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

नई दिल्ली

इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,450 रुपये से लेकर 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में भी लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत भी 91,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना बुधवार के भाव पर ही कारोबार कर रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना भी 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

सिग्नेचर ग्लोबल का बड़ा कदमः नोएडा और ग्रेटर नोएडा में नई उत्थान योजना, कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए 10,000 करोड़ की बिक्री बुकिंग का अनुमान लगाया

नई दिल्ली। रियल एस्टेट उद्योग में एक बड़ी खबर सामने आई है। भारत की चुनौतीपूर्ण बाजार में अपनी अपूर्व क्षमताओं के साथ पहचान बनाने वाली कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में प्रवेश करने की तैयारी में है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सिग्नेचर ग्लोबल ने यह निर्णय लिया है कि वे नोएडा, ग्रेटर नोएडा, और यमुना एक्सप्रेसवे में जमीन के तलाश करेंगे। उन्होंने इस योजना को गुरुग्राम के बाजार से परे जमीन में अपने कारोबार का विस्तार करने की योजना बताई। अधिकारी ने हाल ही में एक उद्घाटन समारोह में कहा कि हमारा लक्ष्य इस वर्ष बिक्री बुकिंग में 25 प्रतिशत की वृद्धि करना है। हम आशा करते हैं कि हम नोएडा में अपनी पहली कदम रखेंगे और उससे उत्थानी को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमने चालू वित्त वर्ष के लिए 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग का अनुमान लगाया है। हमने इस वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में 5,900 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल कर ली है।' पहले छह महीनों में मजबूत प्रदर्शन को देखते हुए हमें अपने वार्षिक लक्ष्य से अधिक हासिल करने की पूरी उम्मीद है।' सिग्नेचर ग्लोबल की बिक्री बुकिंग वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-सितंबर अवधि में तीन गुना होकर 5,900 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष 2023-24 की इसी अवधि में 1,860 करोड़ रुपये थी। इस समाचार ने रियल एस्टेट बाजार में एक नया उत्साह भर दिया है और सिग्नेचर ग्लोबल की नैतिकता और उद्दीपन की दिशा में प्रस्थान किया है। यह कदम उम्मीदवार है कि उद्यमियों को और भी सफलता की ओर ले जाएगा।

विशाल मेगा मार्ट का आईपीओ 11 दिसंबर को खुलेगा

नई दिल्ली । भारत के सुपरमार्केट सेगमेंट की अग्रणी कंपनी विशाल मेगा मार्ट ने घोषित किया है कि वह 8,000 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का आयोजन 11 दिसंबर को करेगी। यह आईपीओ 13 दिसंबर तक खुला रहेगा और बड़े निवेशक 10 दिसंबर को बोली लगा सकेंगे। आईपीओ के दस्तावेजों के अनुसार इसमें कोई नया निर्गम शामिल नहीं है और इसे पूरी तरह से प्रवर्तक समयत सर्विसेज एलएलपी के द्वारा शेयरों की बिक्री पेशकश की जा रही है। विशाल मेगा मार्ट की वर्तमान मालिकी में समयत सर्विसेज एलएलपी की 96.55 प्रतिशत हिस्सेदारी है। विशाल मेगा मार्ट के संयोजकों ने बताया कि साल 2024 तक उनके पास भारत में 626 सक्रिय स्टोर होंगे, जिनमें उनकी एक मोबाइल ऐप और वेबसाइट भी शामिल होगी। विशाल मेगा मार्ट के इस आईपीओ का अवलोकन वित्तीय बाजार में बड़े ही उत्साह से किया जा रहा है और उम्मीद है कि यह अच्छे सम्पत्ति चयन का माध्यम बन सकता है ।

भारतीय एडटेक सेक्टर में सुधार के संकेत, साल 2024 में अभी तक 68 सौदों में 60.88 करोड़ डॉलर की रकम जुट चुकी है

नई दिल्ली । वित्तीय वर्ष 23-24 में भारतीय एडटेक क्षेत्र में आंकड़ों में एक निरंतर सुधार का संकेत मिल रहा है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन ने पिछले वर्ष की तुलना में एडटेक सेक्टर में रकम जुटाने में 153 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इस सुधार के परिणामस्वरूप साल 2024 में अभी तक 68 सौदों में 60.88 करोड़ डॉलर की रकम जुट चुकी है। इसके पूर्व वित्त वर्ष में 106 सौदों में सिर्फ 24.09 करोड़ डॉलर ही जुटाई गई थी। इस सुधार का मुख्य कारण है निवेशकों की रुचि जोर देने में। उन्हें वहां निवेश करने के लिए कंपनियों की खोज हो रही है जो अच्छे प्रदर्शन और दमदार संभावनाओं के साथ निकासी कर रही हैं। फिजिक्स वाला ने भी अपने मूल्यांकन में दोगुना कायम किया है। इसे 21 करोड़ डॉलर की राशि जुटा कर अब 2.8 अरब डॉलर का मूल्यांकन मिला है। एकौरेडटिक्स की तरफ से भी एक बड़ा उत्साह नजर आ रहा है। उन्होंने टीपीजी के द राइज फंड में 15 करोड़ डॉलर की रकम जुटाई और अब उनका मूल्यांकन 3.2 अरब डॉलर हो गया है। हालांकि इस सुधार के साथ कुछ कंपनियों का संघर्ष भी जारी है। वित्त वर्ष 23 में वेदांतु का घाटा 46 प्रतिशत तक कम हो गया है, जबकि अनएकेडमी का राजस्व 5 प्रतिशत घटकर रह गया है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करके बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी फिलहाल मिला-जुला कारोबार हो रहा है। ओपेक प्लस देश की होने वाली बैठक में उत्पादन बढ़ाए जाने का फैसला होने की उम्मीद के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार होता रहा। डाउ जॉन्स पहली बार 45,000 अंक के ऊपर बंद होने में सफल रहा। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,086.49 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डेक ने 251.96 अंक यानी 1.29 प्रतिशत उछल कर 19,732.87 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 44,987.84 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,335.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.66 प्रतिशत उछल कर 7,303.28 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 215.39 अंक यानी 1.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,232.14 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं।

थाईलैंड के स्टॉक मार्केट में छुट्टी होने की वजह से सेट कंपोजिट इंडेक्स में कोई कारोबार नहीं हो रहा है। हैंग सेंग इंडेक्स 195.45 अंक यानी 0.99 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,547.01 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स से 0.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,451.65 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.36 प्रतिशत टूट कर 7,300.35 अंक के स्तर तक गिर गया है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.04 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,554.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 114.43 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,390.82 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,841.55 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.35 प्रतिशत उछल कर 23,337.39 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स से 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,370.18 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

हुंडई अगले साल एक जनवरी से अपने वाहनों की कीमतें 25 हजार रुपये तक बढ़ाएगी

बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज-बेंज के बाद दक्षिण कोरियाई ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने अगले साल एक जनवरी से अपने विभिन्न मॉडल की कीमतों में 25 हजार रुपये तक की वृद्धि करने का ऐलान किया है। कंपनी ने बताया कि कच्चे माल की लागत में वृद्धि, प्रतिकूल विनिमय दर और लॉजिस्टिक्स लागत में बढ़ोतरी के कारण वाहनों की कीमतों में इजाफा करना आवश्यक हो गया है।

नई दिल्ली

हुंडई मोटर इंडिया कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि कच्चे माल की लागत में निरंतर वृद्धि का कुछ हिस्सा मामूली मूल्य समायोजन के जरिए वहन करना अनिवार्य हो गया है। उन्होंने कहा कि ये मूल्य वृद्धि सभी मॉडलों पर लागू होगी। इसकी सीमा 25 हजार रुपये तक होगी।

गर्ग ने कहा कि कंपनी ने हमेशा बढ़ती लागत को यथासंभव वहन करने का प्रयास किया है, ताकि हमारे ग्राहकों पर इसका सबसे कम प्रभाव पड़े। फिलहाल एचएमआईएल की विभिन्न वाहन श्रृंखला की कीमतें 5.92 से लेकर 46.05 लाख रुपये के बीच है।

बीएमडब्ल्यू इंडिया और मर्सिडीज-बेंज इंडिया भी अगले वर्ष जनवरी से अपने सभी वाहनों की कीमत में तीन फीसदी तक की बढ़ोतरी की घोषणा पहले ही कर चुकी है। कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) दक्षिण कोरियाई ऑटोमोबाइल निर्माता हुंडई मोटर कंपनी की भारतीय सहायक कंपनी है। यह भारत में दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी है।

वनप्लस अगले तीन साल में भारत में करेगी 6,000 करोड़ का निवेश

वनप्लस ने प्रोजेक्ट स्टारलाईट की शुरुआत करने का निर्णय लिया

नई दिल्ली

वनप्लस चीन की एक प्रमुख स्मार्टफोन निर्माता कंपनी ने भारत में व्यापार में बड़ी निवेश योजना की घोषणा की है। कंपनी की इस योजना के अनुसार अगले तीन सालों में वनप्लस भारतीय बाजार में 6,000 करोड़ रुपये तक निवेश करेगी। वनप्लस ने प्रोजेक्ट स्टारलाईट की शुरुआत करने का निर्णय लिया है, जिसमें कंपनी भारत में उत्पाद नवाचार को बढ़ावा देने और सेवाओं में सुधार करने के लिए 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। प्रोजेक्ट स्टारलाईट निवेश की मुख्य धाराओं में अधिक टिकाऊ उपकरण बनाने, ग्राहक सेवा में उत्कृष्टता बढ़ाने और भारत-विशिष्ट विशेषताओं को विकसित करने का उद्देश्य है। वनप्लस के भारत में एक प्रमुख अधिकारी ने इस निवेश की उच्च प्राधान्यता को दर्शाते हुए कहा कि भारत उनके लिए प्रमुख बाजार है और वे भारतीय समुदाय का साथ और समर्थन प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह निवेश कंपनी के ब्रांड के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है और उत्पादों और सेवाओं में नवाचार लाने में मदद करेगा। वनप्लस की यह बड़ी निवेश भारतीय स्मार्टफोन बाजार में एक नया मुकाम स्थापित कर सकती है और वनप्लस को भारत में एक मान्य ब्रांड बनाने में मदद कर सकती है।

इजराइल की तरह भारत भी हजार लोगों पर एक स्टार्टअप का लक्ष्य रखे : गोयल

कहा-हम एमएसएमई के लिए वैकल्पिक वित्तपोषण मॉडल पर विचार करने को तैयार

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत को प्रति एक हजार लोगों पर एक स्टार्टअप का लक्ष्य रखना चाहिए, जो कि नवाचार को बढ़ावा देने में इजरायल की सफलता से प्रेरणा लेता है। वाणिज्य मंत्री ने उद्योग जगत से बैंक ऋण प्राप्त करने में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी साझा करने का भी आग्रह किया। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री गोयल नई दिल्ली में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (एसोचैम) द्वारा आयोजित 'भारत@100 शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि छोटा देश होने के बावजूद इजरायल ने नवाचार को प्राथमिकता दी है, जिसके परिणामस्वरूप हर 1,000 लोगों पर एक स्टार्टअप है। उन्होंने इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं में उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने सम्मेलन में इस बात पर जोर दिया कि किस तरह मोदी सरकार के व्यापार करने में आसानी और जीवन जीने में आसानी बढ़ाने, नवाचार तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने के प्रयासों के साथ-साथ हमारे सांस्कृतिक लोकाचार को अपनाने और उसका लाभ उठाने की पहल से 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने एसोचैम से आग्रह किया कि वह हमारी युवा आबादी में उद्यमशीलता की भावना पैदा करने के लिए उद्यमशीलता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करे। साथ ही उनकी मानसिकता को नौकरी की तलाश से हटाकर नवाचार के माध्यम से चुनौतियों का समाधान करने की ओर मोड़ें। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए वैकल्पिक वित्तपोषण मॉडल तलाशने के लिए तैयार है।

रचा इतिहासः एक बिटकॉइन की कीमत बढ़ कर 100,000 डॉलर के पार

वॉशिंगटन

संयुक्त राज्य अमेरिका में बुधवार को एक बिटकॉइन की कीमत बढ़कर 100,000 डॉलर से अधिक हो गई। पहली बार बिटकॉइन की कीमत इस स्तर पर पहुंची है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रपति पद पर जीत के बाद इसकी कीमत में लगातार उछाल आ रहा है। क्रिप्टो उत्साही लोगों ने उन्हें पहला बिटकॉइन राष्ट्रपति करार दिया है। खबर के अनुसार, ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान खुद को एक बिटकॉइन उत्साही के रूप में प्रचारित किया। उन्होंने अमेरिका को प्लेनेट की क्रिप्टो कैपिटल के रूप में स्थापित करने और एक राष्ट्रीय बिटकॉइन रिजर्व बनाने की बात कही थी। निवेशकों को उम्मीद है कि ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद परिदृश्य और बदलेगा। इस साल बिटकॉइन की कीमत में 100 फीसदी तेजी आई है। ट्रंप के जीतने के बाद से चार सप्ताह में इसकी कीमत 45 फीसदी बढ़ी है। इसके साथ ही बिटकॉइन का मार्केट कैप पहली बार 2 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गई है। यह मास्टरकार्ड, वॉलमार्ट और जेपी मॉर्गन चेज के

संयुक्त मूल्य से अधिक है। वर्ष 2008 में एक अज्ञात कोडर के बिटकॉइन बनाए जाने पर इसे अपनाने वाले हैकरों और राजनीतिक कट्टरपंथियों के विविध समूह कई बार करोड़पति बन चुके हैं। इसने सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली कॉइनबेस, क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज जैसी कंपनियों को उद्योग का दर्जा प्रदान किया है। क्रिप्टो करेंसी के इतिहास के बारे में 2019 में किताब लिखने वाले फिन ब्रंटन का कहना है कि बिटकॉइन की यह प्रभावशाली उपलब्धि है। प्रभावशाली अमेरिकी क्रिप्टो कंपनी सर्कल के मुख्य कार्यकारी जेरेमी अल्लायर ने कहा, इस समय उद्योग में भारी उत्साह है। कुछ विशेषज्ञ कहते हैं कि फिर भी, बिटकॉइन में अत्यधिक अस्थिरता का खतरा बना हुआ है। जब वैश्विक अर्थव्यवस्था संघर्ष करती है तो इसकी कीमत कभी-कभी गिर जाती है। क्रिप्टो फॉरेंसिक फर्म चैनालिसिस के अनुसार, हालांकि कुछ अवैध गतिविधियों में कमी आई है। साइबर अपराधियों ने साल के पहले छह महीनों में लगभग 500 मिलियन डॉलर की फिरौती भुगतान की सुविधा के लिए डिजिटल मुद्रा का उपयोग किया। बिटकॉइन 2008 में हैलोवीन पर एक इंटरनेट मेलिंग सूची पर पोस्ट किए गए नौ पेज के श्वेत पत्र में उल्लिखित विचार था। लेखक एक रहस्यमय कोडर था। उसने छद्म नाम सातोशी नाकामोटो का इस्तेमाल किया था। सातोशी की दृष्टि एक प्रकार की डिजिटल मुद्रा थी जिसे लोग हस्तांतरण की प्रक्रिया के लिए बैंकों पर निर्भर हुए बिना विनिमय कर सकते थे। प्रत्येक लेनदेन सार्वजनिक रूप से दिखाई देने वाले बही-खाते पर दर्ज होते थे, जिसे ब्लॉकचेन के रूप में जाना जाता है।

वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5-7 फीसदी की जीडीपी वृद्धि संभव : सीईए नागेश्वरन

नई दिल्ली। देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने गुरुवार को कहा कि अक्टूबर-नवंबर में कुछ क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5-7 फीसदी की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर संभव है। उन्होंने कहा कि दूसरी तिमाही के 5.4 फीसदी जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को आगे चलकर संशोधित भी किया जा सकता है, क्योंकि मौजूदा अनुमान मौसमी रूप से समायोजित नहीं हैं। मुख्य आर्थिक सलाहकार नागेश्वरन ने नई दिल्ली में भारतीय वाणिज्य एंव उद्योग मंडल (एसोचैम) के 'भारत@100 शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए यह बात कही। भारत के आर्थिक परिवर्तन को सशक्त बनाना विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने आर्थिक परिवर्तन के महत्व को रेखांकित किया। डॉ. नागेश्वरन ने अपने संबोधन में आधुनिक राजमार्गों, नई ट्रेनों और तेज़ टोल प्रोसेसिंग के साथ आपूर्ति बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण सुधार सहित सरकारी नीतियों के ठोस परिणामों पर भी जोर दिया। उल्लेखनीय है कि भारत की जीडीपी ग्रोथ जुलाई-सितंबर तिमाही में घटकर सात तिमाहियों के निम्नतम स्तर 5.4 फीसदी पर आ गई, जबकि अप्रैल-जून तिमाही में यह 6.7 फीसदी रही थी। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 फीसदी की दर से बढ़ी थी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में विकास दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो कि वित्त मंत्रालय के आर्थिक सर्वेक्षण में लगाए गए 6.5-7 फीसदी के अनुमान से अधिक है।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले वनडे में भारतीय महिला टीम को हराया, मेगन स्कट ने झटके पांच विकेट

नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने गुरुवार को ब्रिस्बेन में भारत के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में पांच विकेट से आसान जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

जीत की नींव ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने रखी, जिन्होंने पहले भारत को सिर्फ़ 100 रन पर ढेर कर दिया और फिर इसके बाद 33 ओवर शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

तेज गेंदबाज मेगन स्कट ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते हुए पहली बार एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में पांच विकेट चटकाए, जिससे भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 34.2 ओवर में केवल 100 रनों पर ढेर हो गई। भारत के लिए जेमिमा रौड्रिग्स ने सर्वाधिक 23 रन बनाए। जेमिमा के अलावा हरलीन देओल ने 19 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 17 रन बनाए। 101 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से ओपनर फोबे लिचफील्ड ने 29 गेंदों में 35 रनों की पारी खेली। उनकी पारी में दो ओवरों में लगातार छह चौके शामिल थे, जिससे घरेलू टीम लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही थी। हालांकि रेणुका ठाकुर ने तीन विकेट लेकर भारत को वापसी दिलाने की कोशिश की, लेकिन डेब्यू कर रही ओपनर जॉर्जिया वोल ने दबाव का सामना करते हुए 42 गेंदों में नाबाद 46 रनों की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को आसान जीत दिलाई।

अभ्यास सत्र में शॉर्टपिच गेंदों को बैकफुट पर खेलते नजर आये रोहित

एडीलेड । भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार से दूसरे टेस्ट से वापसी करेंगे। इसी को देखते हुए रोहित ने अभ्यास सत्र में भी काफी समय बिताया। रोहित पिछले कुछ समय से फार्म में नहीं हैं। प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ मैच में भी वह रन नहीं बना पाये। इससे उनपर दबाव साफ देखा जा सकता है। रोहित ने नई और पुरानी दोनों ही गेंदों से अभ्यास किया। इस दौरान वह ज्यादातर शॉर्टपिच गेंदों को बैकफुट पर खेलने की प्रैक्टिस कर रहे थे। सब जानते हैं कि रोहित बैकफुट पर अच्छे पुल और हुक शॉट लगाते हैं। इसके बाद भी वह छोटी गेंदों पर रक्षात्मक शॉट खेलते नजर आए क्योंकि वे जानते हैं कि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज उन्हें बाउंसरों से निशाना बना सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

राशिद और नबी ने की अफगानिस्तान में महिला शिक्षा अधिकार के बहाली की अपील

नई दिल्ली। अफगानिस्तान क्रिकेट के सबसे बड़े नाम राशिद खान और मोहम्मद नबी ने तालिबान द्वारा नर्स और दाइयों के रूप में प्रशिक्षण लेने वाली महिलाओं के लिए संस्थानों को बंद करने की कथित रूप से कड़ी आलोचना की है। अगस्त 2021 में तालिबान के कब्जे के बाद से अफगानिस्तान में महिलाओं के अधिकारों के लिए ये बंदिशें एक नया झटका हैं। तालिबान ने लड़कियों और महिलाओं के लिए माध्यमिक और उच्च शिक्षा पर प्रतिबंध लगा दिया है, हालाँकि अब तक चिकित्सा क्षेत्र में छूट मौजूद थी। लड़कियों और महिलाओं के खेल में भाग लेने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है, जिससे आईसीसी के पूर्ण सदस्य के रूप में अफगानिस्तान की स्थिति लगातार जांच के दायरे में आ गई है। राशिद ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, इस्लाम में शिक्षा का केंद्रीय स्थान है, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए ज्ञान की खोज पर जोर देती है। कुरान सीखने के महत्व पर प्रकाश डालता है और दोनों लिंगों के समान आध्यात्मिक मूल्य को स्वीकार करता है। अफगानिस्तान की बहनों और माताओं के लिए हाल ही में शैक्षणिक और चिकित्सा संस्थानों के बंद होने पर मैं बहुत दुख और निराशा के साथ विचार करता हूं। इस निर्णय ने न केवल उनके भविष्य को बल्कि हमारे समाज के व्यापक ताने-बाने को भी गहराई से प्रभावित किया है। सोशल मीडिया के माध्यम से वे जो दर्द और दुख व्यक्त करते हैं, वह उनके सामने आने वाले संघर्षों की मार्मिक याद दिलाता है। उन्होंने आगे कहा, अफगानिस्तान, हमारी प्यारी मातृभूमि, एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। देश को हर क्षेत्र में पेशेवरों की सख्त जरूरत है, खासकर चिकित्सा क्षेत्र में। महिला डॉक्टरों और नर्सों की भारी कमी विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि यह सीधे तौर पर महिलाओं की स्वास्थ्य सेवा और सम्मान को प्रभावित करती है। हमारी बहनों और माताओं के लिए यह ज़रूरी है कि उन्हें ऐसे चिकित्सा पेशेवरों द्वारा प्रदान की जाने वाली देखभाल तक पहुँच मिले जो वास्तव में उनकी जरूरतों को समझते हों। मैं ईमानदारी से इस फ़ैसले पर पुनर्विचार करने की अपील करता हूँ ताकि अफगान लड़कियाँ शिक्षा के अपने अधिकार को पुनः प्राप्त कर सकें और देश के विकास में योगदान दे सकें।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी: बड़ौदा ने टी20 क्रिकेट में सबसे बड़ा टीम स्कोर बनाया, सिक्किम के खिलाफ बनाए 349 रन

नई दिल्ली। बड़ौदा ने गुरुवार को इंदौर में सिक्किम के खिलाफ़ 20 ओवर में पांच विकेट पर 349 रन बनाकर टी20 क्रिकेट में सर्वोच्च टीम स्कोर हासिल किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ ही वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 300 रन का आंकड़ा पार करने वाली पहली टीम भी बन गई। इससे पहले, जिम्बाब्वे के नाम टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक (344 रन) टीम स्कोर का रिकॉर्ड दर्ज था, जो उन्होंने इस साल अक्टूबर में गाम्बिया के खिलाफ बनाए थे। बड़ौदा टीम की अगुआई बल्लेबाज भानु पनिया ने की, जो सिर्फ 51 गेंदों पर 134 रन बनाकर नाबाद रहे। अभिमन्यु सिंह, विष्णु सोलंकी और शिवालिक शर्मा ने भी अर्धशतकों के साथ महत्वपूर्ण योगदान दिया।

हॉकी इंडिया ने की जूनियर एशिया कप जीतने पर भारतीय टीम को नकद पुरस्कार देने की घोषणा

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को मस्कट, ओमान में पुरुष जूनियर एशिया कप के

उच्च स्कोर वाले फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 5-3 से हराकर अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। की इंडिया ने पुरुष जूनियर एशिया कप में खिताब की रक्षा और शानदार प्रदर्शन के लिए प्रत्येक खिलाड़ी को 2 लाख रुपये और प्रत्येक सहयोगी स्टाफ को 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। भारत के लिए अराजित सिंह हुंदल (4, 18, 47, 54) ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और चार गोल किये, जबकि दिलराज सिंह (19) ने भी एक गोल का योगदान दिया। दूसरी ओर, पाकिस्तान के कप्तान शाहिद हन्नान (3) और सुफ़यान खान (30, 39) ने गोल किया। भारत ने अब तक इस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड पांच बार ट्रॉफी उठाई है, जिसमें 2023, 2015, 2008 और 2004 में उनकी पिछली जीत शामिल है।

एडिलेड टेस्ट

गुलाबी गेंद पर अपना वर्चस्व कायम रखना चाहेगा ऑस्ट्रेलिया

एडिलेड

एडिलेड में गुरुवार को दिन के अधिकांश समय तेज धूप और शुष्क गर्मी रही, लेकिन उसके बाद बादल छा गए। हवा शांत थी और पब्लिक-एड्रेस सिस्टम के माध्यम से भारत और ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रगान बजाए गए, जो शुक्रवार दोपहर से यहां शुरू होने वाले दूसरे दिन-रात के टेस्ट की तैयारियों का हिस्सा था।

पहले दिन कुछ स्थानों पर आंधी-तूफान आने का पूर्वानुमान है, लेकिन इससे कोई खास असर नहीं पड़ेगा। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में भारत 1-0 से आगे है, रोहित शर्मा की टीम इस बढ़त को बरकरार रखना चाहती है, क्योंकि इस मैदान पर पहले से ही मिश्रित संकेत मिल रहे हैं।

सुनील गावस्कर, संदीप पाटिल, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीरेंद्र सहवाग, अजीत अगरकर और विराट कोहली यहां अलग-अलग मौकों पर हीरो रहे हैं। हालांकि पिछली बार भारतीय टीम यहां केवल 36 रनों पर सिमट गई थी।

इस हालिया मुकाबले से पहले, इस बात पर गहन चर्चा हुई है कि गुलाबी गेंद रोशनी में कैसे चलेगी और गोधूलि के समय में क्या मुश्किल होगा। भारत ने अपने चार दिन-रात के टेस्ट मैचों में से तीन जीते हैं और ये सभी जीत घरेलू परिस्थितियों में आए थे।

2020 में एडिलेड में एकमात्र विदेशी मुकाबला हारने के बाद, मेहमान टीम के पास अपनी गलतियों को सुधारने का मौका है।

रोहित और शुभमन गिल की वापसी से भारतीय टीम मजबूत दिख रही है। रोहित ने यह पुष्टि कर दी है कि केएल राहुल यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करेंगे। भारतीय कप्तान ने कहा कि दोनों ने पर्थ में शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन किया और टीम के हित में, यह बेहतर है कि वह खुद मध्य क्रम में खेलें।

पर्थ की तरह भारत आर. अश्विन और रवींद्र जडेजा के बिना मैदान में उतरेगा या नहीं, यह देखना अभी बाकी है। भारत के लिए पहले टेस्ट में कोहली की नाबाद 100 रन की पारी, जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी और दो डेब्यू करने वाले हर्षित राणा और नितीश कुमार का प्रदर्शन, ये सभी मनोवैज्ञानिक रूप से फायदेमंद हैं।

इस बीच, ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू मैदान पर दबदबा बनाए रखने की कोशिश कर रहा है, भले ही भारत ने पिछले दो दौरों पर सीरीज जीतकर इस धारणा को तोड़ दिया हो, लेकिन इस बार पैट कमिंस और उनकी टीम जीत के लिए बेताब है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने मैच के पहले कहा, पहले टेस्ट के बाद हमें लंबा ब्रेक मिला था और अब यह दूसरा टेस्ट हमारे लिए पहला टेस्ट जैसा लग रहा है।

पर्थ में 295 रनों की हार ने ऑस्ट्रेलिया में बाहरी आलोचनाओं को बढ़ावा दिया, लेकिन मेजबान टीम इन बातों को ज्यादा महत्व नहीं देना चाहती। हालांकि, चिंता बनी हुई है क्योंकि मध्यक्रम के मजबूत बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

गेंदबाजों में, स्कॉट बोलैंड, जो चोटिल जोश हेजलवुड की जगह लेंगे, के पास अपेक्षित कौशल है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के पास एक शक्तिशाली सीम अटैक है जबकि ऑफ स्पिनर नाथन लियोन भी योगदान देंगे।

हैमिल्टन और मर्सिडीज: उपलब्धियों और यादों के 12 साल का सफर हुआ समाप्त

नई दिल्ली

लुईस हैमिल्टन इस सप्ताहांत अबू धाबी ग्रैंड प्रिक्स में मर्सिडीज के लिए अपनी अंतिम रेस में भाग लेंगे, क्योंकि वह 2025 सीज़न के लिए फेरारी में स्थानांतरित हो रहे हैं।

सात बार के विश्व चैंपियन ने 12 साल के कार्यकाल के बाद सिल्वर एरो को अलविदा कहेंगे, जिसके दौरान टीम ने आठ कंस्ट्रक्टर्स टाइटल (2014-21) जीते, और हैमिल्टन ने छह ड्राइवर्स क्राउन (2014, 2015, 2017, 2018, 2019, 2020) जीते।

मर्सिडीज ने 2014 में अपनी पहली कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप जीती और 50 से अधिक वर्षों के अंतराल के बाद ग्रिड में फिर से प्रवेश किया।

हैमिल्टन ने उसी वर्ष मर्सिडीज के साथ अपना पहला ड्राइवर खिताब जीता, 2008 में मैक्लेरेन के साथ अपना पहला खिताब जीतने के बाद यह उनका दूसरा खिताब था। उनके टीम के साथी निको रोसबर्ग ने महत्वपूर्ण योगदान दिया, और दूसरे स्थान पर रहे।

ब्रिटिश ड्राइवर ने 2016 में भी जीत हासिल की, जबकि रोसबर्ग एक बार फिर उनसे पीछे रहे। हालांकि, 2016 में खिताब की लड़ाई टीम के साथियों के बीच काफी संघर्षपूर्ण रही, जिसमें जर्मन ने हैमिल्टन को पांच अंकों से हराया।

रोसबर्ग अपनी शानदार उपलब्धि के बाद हैमिल्टन के साथ वाल्टेरी बोटास शामिल हुए, इस जोड़ी ने मैदान पर अपना दबदबा बनाया और 2017-2021 तक टीम को लगातार पांच खिताब दिलाए, एक ऐसा दौर जिसमें हैमिल्टन ने माइकल शुमाकर के सात चैंपियनशिप के रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए लगातार चार ड्राइवर खिताब (2017-2020) जीते। 2021 में, वह एक बार फिर आगे चल रहे थे, लेकिन उनका सामना रेड बुल के कट्टर प्रतियोगी और अंततः चार बार के विश्व चैंपियन मैक्स वेरस्टैपेन से हुआ। इस सीज़न के आखिरी मुक़ाबले में एक विवादास्पद अंत हुआ जिसमें वेरस्टैपेन ने हैमिल्टन को एक अंक से हराया जबकि मर्सिडीज ने अपना खिताब बरकरार रखा। इसके बाद, मर्सिडीज रैंकिंग में नीचे गिर गई और हैमिल्टन का फ़ॉर्म भी उसके साथ ही गिर गया। यह शीर्ष टीमों के साथ बने रहने में विफल रही है और तीन सालों में सिर्फ़ पाँच रेस जीत पाई है, जिसमें 2023 में एक भी जीत दर्ज नहीं की गई। 39 वर्षीय हैमिल्टन ने अपने डब्ल्यू 15 के साथ एक भूलने वाला सीज़न बिताया है, वह अक्सर अपनी निराशा व्यक्त करते रहे हैं।

गोवा ने लगाई जीत की हैट्रिक, हैदराबाद एफसी के खिलाफ बटोरे पूरे तीन अंक

हैदराबाद

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में हैदराबाद एफसी का अपने घरेलू मैदान जीएमसी बालायोगी एथलेटिक स्टेडियम में हारने का सिलसिला जारी है। मेजबान टीम को अपने घर पर खेले चौथे मैच में भी हार मिली, जब एफसी गोवा ने बुधवार रात आईएसएल 2024-25 में जीत की हैट्रिक पूरी करते हुए मुकाबला 2-0 से अपने नाम किया।

एफसी गोवा की जीत में राइट विंगर उदांता सिंह ने 33वें और स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर इकर गुआरोटक्सेना ने 44वें मिनट में गोल किए। स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर इकर गुआरोटक्सेना को दूसरा गोल करने और मिडफील्ड में दमदार खेल दिखाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

एफसी गोवा 10 मैचों में पांच जीत, तीन ड्रा और दो हार से 18 अंक लेकर तालिका में छठे से तीसरे स्थान पर आ गई है।

वहीं, अपनी टीम की लगातार तीसरी हार से हैदराबाद एफसी के हेड कोच थांगबोई सिंग्टो जरूर निराश होंगे। हैदराबाद एफसी 10 मैचों में दो जीत, एक ड्रा और सात हार से सात अंक लेकर तालिका में 11वें स्थान पर बनी हुई है।

यह आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 11वां मुकाबला था और आज एफसी गोवा ने छठी बार

जीत हासिल की है जबकि हैदराबाद ने तीन मैच जीते हैं। दो मैच ड्रा रहे हैं।

मैच का पहला गोल 33वें मिनट में आया, जब राइट विंगर उदांता सिंह ने एफसी गोवा को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया।

44वें मिनट में स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर इकर गुआरोटक्सेना ने गोल करके एफसी गोवा की बढ़त को दोगुना करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। पहले हाफ में दबदबा एफसी गोवा का रहा क्योंकि राइट विंगर उदांता सिंह और स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर इकर गुआरोटक्सेना के गोल की बदौलत बढ़त बनाई और उसे बरकरार रखा। लिहाजा, एफसी गोवा 2-0 की बढ़त के साथ हाफ टाइम ब्रेक पर गई। गेंद पर ज्यादा नियंत्रण एफसी गोवा का 62 फीसदी रहा। गोवा ने छह प्रयास किए और दो शॉट टारगेट पर रखे, जिन पर गोल आए।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं किया

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड ने गुरुवार को वेलिंगटन में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के आगामी दूसरे टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग इलेवन घोषित कर दी है। टीम में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है और उसी टीम को बरकरार रखा गया है, जिसने पहला टेस्ट मैच खेला था।

इससे पहले क्राइस्टचर्च में पहले टेस्ट में, इंग्लैंड ने आठ विकेट से जीत हासिल की, जिससे उन्हें कीवी टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त लेने में मदद मिली।

आईसीसी के अनुसार, अपने पिछले 47 टेस्ट मैचों में, कीवी टीम ने आगामी वेलिंगटन टेस्ट सहित केवल तीन बार अपरिवर्तित टेस्ट एकादश की घोषणा की है।

इस बीच, इंग्लैंड ने भी एक अपरिवर्तित प्लेइंग इलेवन की घोषणा की है।

मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने पहले टेस्ट में अपनी टीम के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त की और कहा कि उन्होंने फील्डिंग पर अतिरिक्त ध्यान नहीं दिया।

लैथम ने कहा, हमने इस पर ज़्यादा ध्यान नहीं दिया है। हम समझते हैं कि हम पिछले गेम में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर नहीं थे, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, हम चीजों को यथासंभव बराबर रखने की

कोशिश करते हैं। हम हमेशा पर्दे के पीछे से काम करते हैं, भले ही चीजें हमारे पक्ष में हों या नहीं। पिछले कुछ दिन अलग नहीं रहे हैं, और खिलाड़ी इस खेल के लिए तैयार होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

न्यूजीलैंड की प्लेइंग इलेवन: टॉम लैथम (कप्तान), डेवोन कॉनवे, केन विलियमसन, रचिन रवींद्र, डेरिल मिशेल, टॉम ब्लंडेल (विकेट कीपर), ग्लेन फिलिप्स, नाथन स्मिथ, टिम साउथी, मैट हेनरी, विल ओरुरके।

ऐतिहासिक अबू धाबी टी10 के सबसे बड़े सीजन का हुआ समापन, 140 अंतरराष्ट्रीय सितारों ने बिखेरा जलवा

अबू धाबी

डेक्कन ग्लेडियेटर्स के चैंपियन बनने के साथ ही 2 दिसंबर को अबू धाबी टी10 लीग 2024 का समापन हो गया, खिताबी मुकाबले में डेक्कन ग्लेडियेटर्स ने मॉरिसविले सैंप आर्मी को आठ विकेट से हराकर खिताब जीता।

आठवें सीजन में टूर्नामेंट की लोकप्रियता काफी बढ़ गई, जिसमें जोस बटलर, निकोलस पूरन, ट्रेंट बोल्ट और कीरोन पोलार्ड जैसे कुछ बेहतरीन क्रिकेटरों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और दुनिया भर के प्रशंसकों ने वैश्विक प्रसारण के माध्यम से सबसे छोटे प्रारूप का आनंद लिया।

ग्लेडियेटर्स अब टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे सफल टीम है क्योंकि उन्होंने इस सीज़न में अपना रिकॉर्ड तीसरा खिताब जीता है। उनके तीन खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के अंत में महत्वपूर्ण पुरस्कार भी जीते, जिसमें उनके स्टार बल्लेबाज और इंग्लिश कप्तान जोस बटलर ने 224.07 की स्ट्राइक रेट से 242 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता।

सलामी बल्लेबाज टॉम कोहलर-कैडमोर को 222 रन

बनाने के लिए टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज घोषित किया गया, जबकि रिचर्ड ग्लीसन को 10.07 की इकॉनमी से 14 विकेट लेने के लिए टूर्नामेंट का गेंदबाज चुना गया। स्थानीय खिलाड़ी शाहिद भुट्टा, जिन्होंने 10.93 की इकॉनमी से 10 विकेट लिए, को यूएई प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।

इस सीज़न में टूर्नामेंट के इतिहास में टीमों का सबसे बड़ा पूल भी देखा गया जिसमें दो नई टीमों- यूपी नवाब और अजमान बोल्ट को रोस्टर में जोड़ा गया। टूर्नामेंट के इतिहास में पहला शतक भी इसी सीज़न में लगा जब शेरफेन रदरफोर्ड ने नॉर्दर्न वॉरियर्स के खिलाफ 40 गेंदों में नाबाद 103 रन बनाए।

वैश्विक प्रसारकों के सहयोग से टूर्नामेंट का प्रसारण कई देशों में किया गया। इसमें डिज़्नी स्टार के साथ दो साल का करार भी शामिल था, जिसने भारतीय आबादी के लिए अंग्रेजी, हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में टूर्नामेंट का प्रसारण किया।

इस टूर्नामेंट में अपने इतिहास में सबसे बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय भागीदारी देखी गई क्योंकि इस सीज़न में विभिन्न देशों के करीब 140 खिलाड़ी एक्शन में थे।

यूएई क्रिकेट खिलाड़ी रोहान मुस्तफा, जो अबू धाबी में एक फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करने वाले पहले स्थानीय खिलाड़ी बने, ने कहा, बेशक, टी10 एक प्रमुख टूर्नामेंट है और आयोजकों ने इसे काफी अच्छे से प्रबंधित किया है। मैंने भी इसे शुरू से खेला है और यह पहली लीग है जिसमें यूएई के स्थानीय खिलाड़ी शामिल हैं। ऐसी लीग, जो एक्शन से भरपूर भी होती हैं, हमें खुश और अधिक भावुक बनाती हैं। ऐसे टूर्नामेंट देखने के बाद युवा इस खेल के प्रति और अधिक शौकीन हो जाते हैं।

समापन समारोह में टी टेन ग्लोबल के अध्यक्ष शाजी उल मलिक ने कहा, टूर्नामेंट अब पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के सबसे बड़े पूल के साथ समाप्त हो गया है। 12 दिनों के पावर-पैक एक्शन में 40 मैचों में 140 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने अपना कौशल दिखाया और उन अंतरराष्ट्रीय सितारों के कौशल से बेहतर कुछ भी नहीं, जो उन्होंने इस लीग में प्रदर्शित किया।

बाबासाहेब अंबेडकर की यात्रा - जीवन, इतिहास और कार्य

बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल, 1891 को हुआ था, वह अपने माता-पिता की 14वीं और अंतिम संतान थे। डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के पिता सूबेदार रामजी मालोजी सकपाल थे। वह ब्रिटिश सेना में सूबेदार थे। बाबासाहेब के पिता संत कबीर दास के अनुयायी थे और एक शिक्षित व्यक्ति थे। डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर लगभग दो वर्ष के थे जब उनके पिता नौकरी से सेवानिवृत्त हो गए थे। जब वह केवल छह वर्ष के थे तब उसकी मां का निधन हो गया था। बाबासाहेब ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मुंबई में प्राप्त की। अपने स्कूली दिनों में ही उन्हें इस बात से गहरा सदमा लगा कि भारत में अछूत होना क्या होता हैं। डॉ. अंबेडकर अपनी स्कूली शिक्षा सतारा में ही कर रहे थे। दुर्भाग्यवश, डॉ अंबेडकर की मां की मौत हो गई। उनकी चाची ने उनकी देखभाल की। बाद में, वह मुंबई चले गए। अपनी स्कूली शिक्षा के दौरान, वह अस्पृश्यता के अभिशाप से पीड़ित हुए। 1907 में मैट्रिक की परीक्षा पास होने के बाद उनकी शादी एक बाजार के खुले छप्पड़ के नीचे हुई। डॉ. अंबेडकर ने अपनी स्नातक की पढ़ाई एल्फिंस्टन कॉलेज, बॉम्बे से की, जिसके लिए उन्हें बड़ौदा के महामहिम सयाजीराव गायकवाड़ से छात्रवृत्ति प्राप्त हुई थी। स्नातक पूरी करने के बाद अनुबंध के अनुसार उन्हें बड़ौदा संस्थान में शामिल होना पड़ा। जब वह बड़ौदा में थे तब उनके पिता की मौत हो गई, वर्ष 1913 में डॉ. अंबेडकर को उच्च अध्ययन के लिए अमेरिका जाने वाले एक विद्वान के रूप में चुना गया। यह उनके शैक्षिक जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय से 1915 और 1916 में क्रमश: एमए और पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद वह आगे की पढ़ाई करने के लिए लंदन गए। वह ग्रेज इन में वकालत के लिए भर्ती हुए और उन्हें लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस में डीएससी की तैयारी करने की भी अनुमति प्राप्त हुई लेकिन उन्हें बड़ौदा के दीवान ने भारत वापस बुला लिया। बाद में, उन्होंने बार-एट-लॉ और डीएससी की डिग्री भी प्राप्त की। उन्होंने जर्मनी के बॉन विश्वविद्यालय में कुछ समय तक अध्ययन किया। उन्होंने 1916 में *भारत में जातियां - उनका तंत्र, उत्पत्ति और विकास* पर एक निबंध पढ़ा। 1916 में, उन्होंने *भारत के लिए राष्ट्रीय लाभांश- एक ऐतिहासिक और विश्लेषणात्मक अध्ययन* पर अपना थीसिस लिखा और अपनी पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। इसे आठ वर्षों के बाद *ब्रिटिश भारत में प्रांतीय वित्त का विकास* शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित किया गया। इस उच्चतम डिग्री को प्राप्त करने के बाद, बाबासाहेब भारत वापस लौट आए और उन्हें बड़ौदा के महाराजा ने अपना सैन्य सचिव नियुक्त किया जिससे कि उन्हें लंबे समय में वित्त मंत्री के रूप में तैयार किया जा सके। बाबासाहेब सितंबर, 1917 में शहर वापस लौट आए क्योंकि उनका छात्रवृत्ति कार्यकाल समाप्त हो गया और वह सेवा में शामिल हो गए। लेकिन नवंबर, 1917 तक शहर में कुछ दिनों तक रहने के बाद, वह मुंबई के लिए रवाना हो गए। अस्पृश्यता के कारण उनके साथ हो रहे दुर्व्यवहार के कारण वह सेवा छोड़ने के लिए मजबूर हो गए। डॉ अंबेडकर मुंबई लौट आए और राजनीतिक अर्थव्यवस्था के प्रोफेसर के रूप में सिडेनहैम कॉलेज में पढ़ाने लगे। जैसा कि वह अच्छी तरह पढ़ाते थे, वह छात्रों में बहुत लोकप्रिय हो गए। लेकिन उन्होंने लंदन में अपनी कानून और अर्थशास्त्र की पढ़ाई फिर से शुरू करने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। कोल्हापुर के महाराजा ने उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान की। 1921 में, उन्होंने अपनी थीसिस लिखी कि ब्रिटिश भारत में इंपीरियल फाइनेंस का प्रांतीय विकेंद्रीकरण और लंदन विश्वविद्यालय से अपनी एमएससी की डिग्री प्राप्त की। फिर उन्होंने जर्मनी के बॉन विश्वविद्यालय में कुछ समय गुजारा। 1923 में, उन्होंने डीएससी डिग्री के लिए अपनी थीसिस पूरी की- रुपए की समस्या : इसका उद्भव और समाधान। उन्हें 1923 में वकीलों के बार में बुलाया गया। 1924 में इंग्लैंड से वापस लौटने के बाद, उन्होंने दलित लोगों के कल्याण के लिए एक एसोसिएशन की शुरुआत की, जिसमें सर चिमनलाल सीतलवाड़ अध्यक्ष और डॉ अम्बेडकर चेयरमैन थे। एसोसिएशन का तत्काल उद्देश्य शिक्षा का प्रसार करना, आर्थिक स्थितियों में सुधार करना और दलित वर्गों की शिकायतों का प्रतिनिधित्व करना था। उन्होंने नए सुधार को ध्यान में रखते हुए दलित वर्गों की समस्याओं को संबोधित करने के लिए 03 अप्रैल, 1927 को *बहिस्कृत भारत* समाचारपत्र की शुरुआत की। 1928 में, वह गवर्नमेंट लॉ कॉलेज, बॉम्बे में प्रोफेसर बने और 01 जून, 1935 को वह उसी कॉलेज के प्रिंसिपल बने और 1938 में अपना इस्तीफा देने तक उसी पद पर बने रहे। 13 अक्तूबर, 1935 को, दलित वर्गों का एक प्रांतीय सम्मेलन नासिक जिले में येवला में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में उनकी घोषणासे हिंदुओं को गहरा सदमा लगा। उन्होंने कहा कि मैं हिंदू धर्म में पैदा हुआ लेकिन मैं एक हिंदू के रूप में नहीं मरूंगा उनके हजारों अनुयायियों ने उनके फैसले का समर्थन किया। 1936 में उन्होंने बॉम्बे प्रेसीडेंसी महार सम्मेलन को संबोधित किया और हिंदू धर्म का त्याग करने की वकालत की। 15 अगस्त, 1936 को, उन्होंने दलित वर्गों के हितों की रक्षा करने के लिए *स्वतंत्र लेबर पार्टी* का गठन किया, जिसमें ज्यादातर श्रमिक वर्ग के लोग शामिल थे। 1938 में, कांग्रेस ने अछूतों के नाम में बदलाव करने वाला एक विधेयक प्रस्तुत किया। डॉ. अंबेडकर ने इसकी आलोचना की। उनका दृष्टिकोण था कि नाम बदलने से समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। 1942 में, वह भारत के गवर्नर जनरल की कार्यकारी परिषद में एक श्रम सदस्य के रूप में नियुक्त हुए। 1946 में, उन्हें बंगाल से संविधान सभा के लिए चुना गया। उसी समय उन्होंने अपनी पुस्तक प्रकाशित की कि शूद्र कौन थे? आजादी के बाद, 1947 में, उन्हें देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के पहले मंत्रिमंडल में कानून एवं न्याय मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। लेकिन 1951 में उन्होंने कश्मीर मुद्दे, भारत की विदेश नीति और हिंदू कोड बिल के प्रति प्रधानमंत्री नेहरू की नीति पर अपना मतभेद प्रकट करते हुए मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। 1952 में, कोलंबिया विश्वविद्यालय ने भारत के संविधान का मसौदे तैयार करने में उनके योगदान को मान्यता प्रदान करने के लिए उन्हें एलएलडी की डिग्री प्रदान की। 1955 में, उन्होंने *भाषाई राज्यों पर विचार* नामक अपनी पुस्तक प्रकाशित की। डॉ. बीआर अंबेडकर को उस्मानिया विश्वविद्यालय ने 12 जनवरी, 1953 को डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया। आखिरकार 21 वर्षों के बाद, उन्होंने सच साबित कर दिया, जो उन्होंने 1935 में येओला में कहा था कि *मैं हिंदू के रूप में नहीं मरूंगा*। 14 अक्तूबर 1956 को, उन्होंने नागपुर में एक ऐतिहासिक समारोह में बौद्ध धर्म अपना लिया और 06 दिसंबर 1956 को उनकी मृत्यु हो गई।

सर्दियों में बालों को सॉफ्ट और शाइनी बनाएंगे कुछ तरह के हेयर ऑयल

सर्दियों में ठंडी हवाएं हमारी त्वचा के साथ-साथ बालों को भी रूखा और बेजान बना देती हैं। ये हवाएं बालों से नमी छीन लेती हैं, जिससे बालों में रूखापन, दो-मुंहेपन और डैंड्रफ की समस्या बढ़ जाती है। स्कैल्प भी सूखने लगती है, जिससे खुजली और परेशानी होती है। ऐसे में बालों को स्वस्थ रखने के लिए विशेष देखभाल की जरूरत होती है। रेगुलर तेल मालिश, गुनगुने पानी से धोना और हाइड्रेटिंग हेयर मास्क का इस्तेमाल बालों को नमी देकर उन्हें मुलायम, चमकदार बनाए रखने में मदद करते हैं। कुछ खास तरह के तेल सर्दियों में बालों की देखभाल के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। आइए जानते हैं इन तेलों के बारे में।

1) आर्गन ऑयल : लिक्विड गोल्ड कहे जाने वाला आर्गन ऑयल विटामिन ई और फैटी एसिड से भरपूर होता है। यह बालों की ड्राईनेस को दूर कर उन्हें नमी और गहराई से पोषण देने का काम करता है। ऐसे में, आपके बाल सॉफ्ट और शाइनी बने रहते हैं।

2) नारियल तेल : नारियल तेल बालों की जड़ों में नमी पहुंचाता है और इन्हें मजबूत बनाता है। गुनगुने नारियल तेल से स्कैल्प की मालिश करने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है, जिससे बाल हेल्दी और शाइनी दिखते हैं।

3) जोजोबा ऑयल : जोजोबा ऑयल बालों के नेचुरल सीबम से मिलता-जुलता है, जो बालों को गहराई से नमी देता है और इनमें जल्दी से समा जाता है। यह बालों की ड्राईनेस को दूर कर उन्हें सॉफ्ट बनाता है।

4) ऑलिव ऑयल : एंटीऑक्सीडेंट्स और फैटी एसिड से भरपूर, ऑलिव ऑयल बालों में चमक और नमी को बनाए रखता है। इसे हफ्ते में एक बार लगाने से बालों में सर्दियों में भी स्वस्थ चमक बरकरार रहती है।

5) आलमंड ऑयल : विटामिन ए, विटामिन बी और विटामिन ई से भरपूर आलमंड ऑयल बालों को पोषण देकर सर्दियों की ड्राईनेस से बचाता है, जिससे बाल सॉफ्ट और शाइनी बने रहते हैं।

6) ग्रेपसीड ऑयल : हल्का और नॉन-ग्रीसी होने के कारण ग्रेपसीड ऑयल बालों में आसानी से अब्जॉर्ब होता है और स्कैल्प में नमी को बनाए रखता है, इसलिए इसके नियमित इस्तेमाल से बालों की ड्राइनेस दूर होती है।

7) कैस्टर ऑयल : कैस्टर ऑयल में गाढ़ापन होता है, बता दें कि इससे बालों की ग्रोथ तेजी से बढ़ती है। यह तेल सर्दियों में बालों की ड्राईनेस, खुजली, जलन, इन्फेक्शन और दो-मुंहेपन को कम करता है।

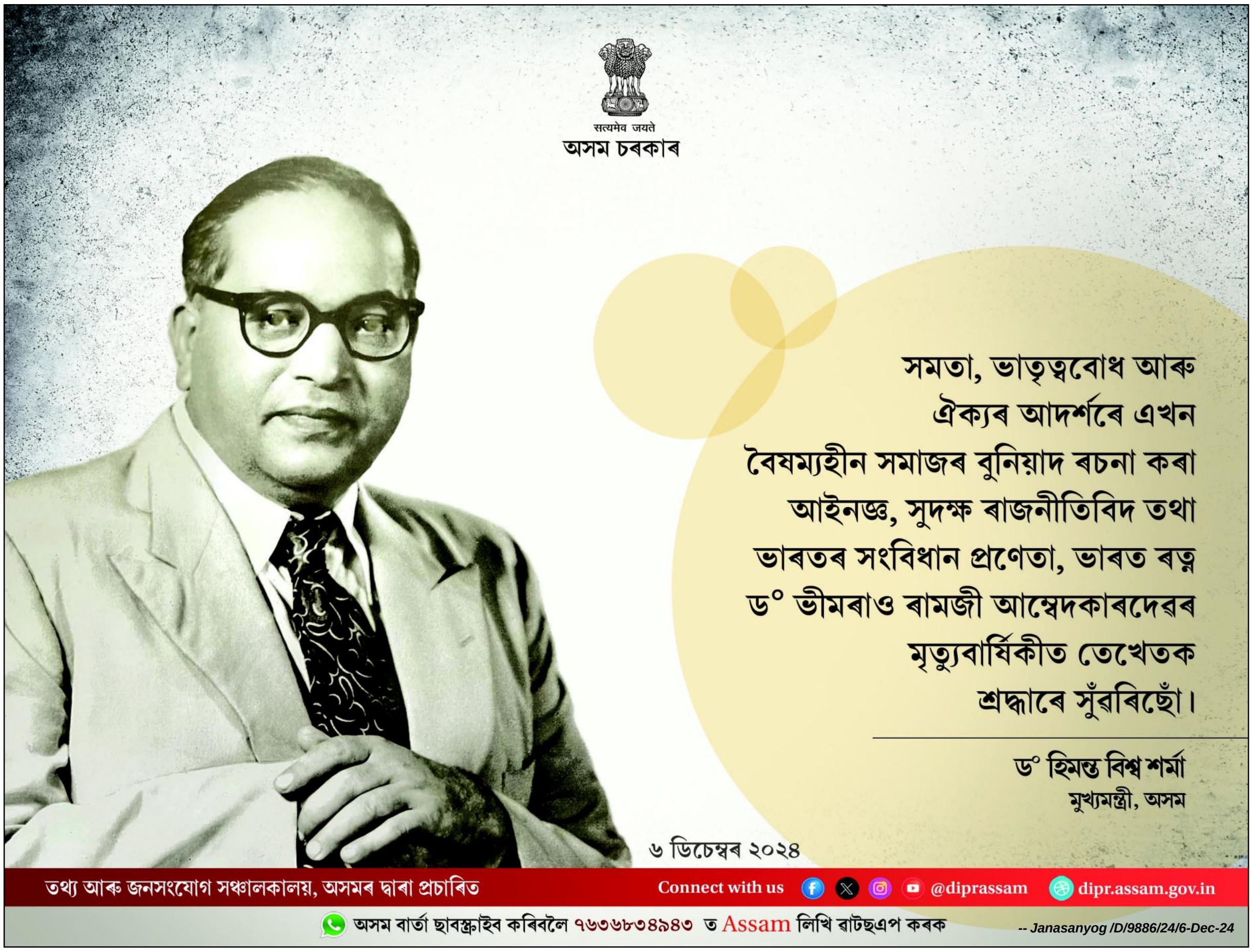

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**